RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच
संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल
साझा करें अपने मित्रों से
सांध्य दैनिक
दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग

वर्ष- 13, अंक - 294 | श्रीकंचनपथ ONLINE | visit us http://www.shreekanchanpath.com | भिलाई, बुधवार 10 अगस्त 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास खबर...

स्वतंत्रता दिवस से पहले बड़ी साजिश नाकाम, पुलवामा में 25-30 किलोग्राम आईईडी बरामद

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में बुधवार को पुलिस और सुरक्षा बलों ने स्वतंत्रता दिवस से पहले एक बड़े हमले की साजिश को नाकाम कर दिया। सुरक्षा बलों ने शहर में सर्कुलर रोड पर तहाब क्रॉसिंग के पास 25-30 किग्रा आईईडी बरामद कर लिया। आईईडी को निष्क्रिय कर दिया गया है। एडीजीपी कश्मीर विजय कुमार ने बताया, ''पुलवामा पुलिस को मिली गोपनीय जानकारी के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस और सुरक्षा बलों ने बड़े हमले की साजिश को नाकाम कर दिया।'' उन्होंने बताया कि मामले में जांच की जा रही है। आईईडी को यहां तक पहुंचाने वाले और यहां से आईईडी उठाने के लिए आने वालों की तलाश की जा रही है। हर आने-जाने वाले वाहन की जांच की जा रही है।

सुरक्षाबलों ने नक्सली कैंप को किया ध्वस्त, मुठभेड़ में तीन ढेर

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में सुरक्षाबलों के हाथ बड़ी कामयाबी लगी है। यहां जवानों ने नक्सलियों के कैंप को ध्वस्त कर दिया है। मौके से भारी मात्रा में हथियार, विस्फोटक बरामद किए गए हैं। इसके अलावा पुलिस का दावा है कि गोलीबारी में तीन नक्सलियों को भी मार गिराया गया है। पुलिस ने बताया, बीजापुर के मोदकपाल थाना क्षेत्र में जवानों ने नक्सलियों के खिलाफ तीन दिन पहले ऑपरेशन शुरू किया था। कैंप को ध्वस्त करने और तीन नक्सलियों को ढेर करके, पूरे तीन दिन बाद जवान मुख्यालय लौटे हैं। हालांकि, अभी तक किसी नक्सली का शव बरामद नहीं किया गया है।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, अधिकारियों को गुप्त सूचना मिली कि बोंगला-पुंगर के जंगल-पहाड़ी क्षेत्र में 25 से 30 नक्सलियों ने कैंप लगाया है। सभी नक्सली हथियारों से लैस हैं। सूचना के बाद डीआरजी, एसटीएफ और सीआरपीएफ 229 बटालियन को मौके पर रवाना किया गया।

छत्तीसगढ़ भाजपा में और बड़ी सर्जरी की तैयारी

हिलने वाली है कई सूरमाओं की कुर्सी

नए राजनीतिक समीकरण भी बनेंगे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ भाजपा में सांसद अरुण साव को प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने से कई खेमों में बंटे गुटों को जोरदार झटका लगा है। साव को राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की पसंद पर जिम्मेदारी दी गई है। उनके नाम की चर्चा भाजपा के खैरागढ़ विधानसभा उपचुनाव में हार के बाद शुरू हुई थी, लेकिन प्रदेश के नेता एक राय नहीं बना पा रहे थे। जब नियुक्ति का समय आया तब केंद्रीय नेतृत्व ने संघ की पसंद को तवज्जों दिया। अरुण साव को संगठन की कमान मिलने के बाद अब भाजपा में प्रदेश से लेकर जिला स्तर तक बदलाव की तैयारी है। भूपेश सरकार को घेरने और संगठन को मजबूत करने आने वाले दिनों में कई बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे वहीं नए राजनीतिक समीकरण भी बनेंगे। प्रदेश में महामंत्रियों, प्रदेश पदाधिकारियों और 26 जिलों के अध्यक्षों को बदलने की चर्चा शुरू हो गई है।

छत्तीसगढ़ भाजपा में बड़ा उलटफेर नए क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल के दौरे के बाद हुई है। 3 दिनों के रायपुर दौरे पर आए जामवाल ने प्रशिक्षण शिविर में विधायकों, नेताओं और कोर ग्रुप पदाधिकारियों की बैठक कर संगठन और सरकार को घेरने के मुद्दों पर मंत्रणा की थी। इस दौरान पार्टी की आपसी खींचतान और नेताओं की जनता के बीच छवि का आंकलन किया गया। नेताओं ने क्षेत्रीय संगठन महामंत्री के समक्ष खुलकर अपनी बात भी रखी। जामवाल के रायपुर से लौटने के बाद बदलाव की सुगबुगाहट तेज हो गई थी। प्रदेश अध्यक्ष बदलने के बाद भाजपा की राजनीति में नए-नए समीकरण बन रहे हैं।

संगठन तक पहुंचती रही गुटबाजी की खबर

सूत्र बताते हैं कि नए प्रदेश अध्यक्ष को लेकर भाजपा के एक गुट ने जिस तरह मेहनत की थी, उन्हें साव की नियुक्ति के बाद निराशा हाथ लगी है। दरअसल, अति उत्साह में इस गुट ने बदलाव की खबरें खुद ही फैला दी, जिसके बाद अन्य गुट भी सक्रिय हो गए। कई गुटों में बंटे नेताओं ने राष्ट्रीय नेतृत्व, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री तक अपनी-अपनी बातें पहुंचाई। लगातार हार और नेताओं के खराब प्रदर्शन से चिंतित संगठन ने दूसरा ही रास्ता निकाल लिया। प्रदेश में गुट विशेष का दबदबा खत्म करने राष्ट्रीय नेतृत्व को संघ की पसंद पर मुहर लगा दी।

नेता प्रतिपक्ष को बदलने की चर्चा तेज

विष्णुदेव साय को अध्यक्ष पद से हटाए जाने के बाद अब राजनीतिक गलियारों में नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक को बदले जाने चर्चा तेज हो गई है। हालांकि पूर्व सीएम डॉ. रमन सिंह ने कहा कि बदलाव राष्ट्रीय नेतृत्व तय करता है। प्रदेश अध्यक्ष से हटाए गए विष्णुदेव साय को आने वाले दिनों में बड़ा पद मिलने की संभावना है। ऐसी चर्चा है कि राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग में उन्हें उपाध्यक्ष बनाकर राज्यमंत्री का दर्जा दिया जा सकता है। छत्तीसगढ़ के दिग्गज आदिवासी नेता नंदकुमार साय भी राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष रह चुके हैं।

युवा मोर्चा, जिला संगठन में होंगे बदलाव

आपको बता दें कि बदलाव की यह आंधी यहीं नहीं रुकने वाली आगे और भी कुर्सियां हिलने वाली हैं। बदलाव केवल प्रदेश संगठन स्तर पर सीमित नहीं है। बड़े-बड़े सूरमा ठिकाने लगने वाले हैं। रायपुर और दुर्ग संभाग के ऐसे दिग्गज भी शामिल हैं, जिन्हें अभी तक लोग बड़ी जिम्मेदारी मिलने की चर्चा करते रहे हैं। भारतीय जनता युवा मोर्चा की टीम पर भी गाज गिर सकती है। युवा मोर्चा एक्टिव नहीं है। विवादों और शिकायतों का दौर भी चल रहा है। पार्टी और संगठन को युवा मोर्चा कोई विशेष लाभ नहीं पहुंचा पाई। पद बांटने से घिरी युवा मोर्चा पर अंडर-35 के नाम पर युवा कार्यकर्ताओं के साथ छलावा करने के आरोप भी लगे। गुपचुप तरीकों से योग्य युवाओं के स्थान पर नेता-पूर्व मंत्रियों के खास लोगों को रखा गया। पुरंदेश्वरी तक इसकी शिकायत भी पहुंची थी।

भारी बारिश से छत्तीसगढ़ तरबतर मौसम विभाग का 12 जिलों में ऑरेंज और 6 जिलों में यलो अलर्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर. छत्तीसगढ़ के अधिकांश जिलों में तेज बारिश हो रही है। बस्तर में बारिश ने कहर बरपा दिया है। बस्तर संभाग में जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। नदी-नाले उफान पर है। हाईवे डूब गए हैं, जिससे छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग से ओडिशा, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश का संपर्क टूट गया है। बस्तर संभाग के दंतेवाड़ा, बीजापुर और सुकमा जिले में भारी बारिश हुई है। संभाग की इंद्रावती, शबरी, मलगेर, तालपेरू, मिंगाचल, डंकनी और शंखनी नदी का जल स्तर खरे के निशान को पार कर गया। मौसम विभाग ने दक्षिण छत्तीसगढ़ यानी बस्तर के 7 जिलों के लिए 72 घंटे का रेड अलर्ट जारी किया था। मौसम विभाग ने अब 24 घंटों के लिए 18 जिलों में ऑरेंज और यलो अलर्ट जारी किया है। भारी तथा अति भारी बारिश का क्षेत्र मध्य छत्तीसगढ़ रहने की संभावना है।

मौसम विज्ञानी एचपी चंद्रा के मुताबिक मॉनसून द्रोणिका नलिया, अहमदाबाद, इंदौर, मंडला, रायगढ़ निम्न दाब का केंद्र उसके बाद दक्षिण पूर्व की ओर उत्तर अंडमान सागर तक 1.5 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। एक अवदाब तटीय ओडिशा और उससे लगे उत्तर पश्चिम बंगाल की खाड़ी में स्थित है। इसके साथ ऊपरी हवा का चक्रवाती घेरा 7.6 किमी ऊंचाई तक फैली है। इसके पश्चिम, उत्तर पश्चिम दिशा में आगे बढने की संभावना है। प्रदेश में 10 अगस्त को अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छीटें पड़ने के आसार है। प्रदेश में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने तथा एक दो स्थानों पर अति भारी वर्षा होने की संभावना है। भारी तथा अति भारी बारिश का क्षेत्र मुख्यतः मध्य छत्तीसगढ़ रहने की संभावना है। मध्य छत्तीसगढ़ में दुर्ग और रायपुर संभाग आते हैं।

मध्य छत्तीसगढ़ में भारी बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे के लिए 12 जिलों में ऑरेंज और 6 जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी किया है। प्रदेश के बस्तर, दंतेवाड़ा, बीजापुर, सुकमा, कोंडागांव, कांकेर, नारायणपुर, धमतरी, महासमुंद, राजनांदगांव, बालोद, गरियाबंद तथा उससे लगे आसपास के जिलों में ऑरेंज अलर्ट है। वहीं रायपुर, दुर्ग, कबीरधाम, बलौदाबाजार, जांजगीर-चांपा, बेमेतरा जिलों में यलो अलर्ट जारी किया गया है।

इंजन की चपेट में आए आठ लोग, एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत

बलोदाबाजार। छत्तीसगढ़ के बलौदा बाजार जिले में रेल हादसे की घटना सामने आई है। यहां सोमवार देर रात रेलवे क्रांसिग पर एक वाहन के रेल इंजन की चपेट में आने से एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गयी। एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। सुहेला पुलिस थाने के थाना प्रभारी नरेंद्र सिंह ने बताया कि ये घटना सोमवार देर रात सुहेला थाना क्षेत्र के हाथबंध रेलवे स्टेशन से करीब 10 किलोमीटर दूर हुई। उन्होंने बताया कि एक निजी रेलवे ट्रैक पर मानव रहित क्रॉसिंग पर रेल के इंजन ने आठ लोगों के साथ एक चार पहिया वाहन को टक्कर मार दी। इस हादसे में बलौदा बाजार निवासी ईश्वरी देवांगन (45), बाबूलाल देवांगन (65) और मंजू देवांगन (27) की मौत हो गई।

अब क्यों नहीं हो सकता महाभारत

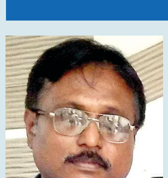

दीपक रंजन दास

महाभारत का घटनाक्रम तो सभी को याद है। द्रौपदी का भरी सभा में अपमान हुआ। जुए में हार कर उसके पांच-पांच महाबली पति सिर झुकाए बैठे थे। दरबार में बैठे सभी महारथी किसी न किसी तरह की मर्यादा में बंधे हुए थे और हस्तक्षेप नहीं कर सकते थे। तब द्रौपदी को उनके भाई श्रीकृष्ण ने निर्वस्त्र होने से बचा लिया था। पर श्रीकृष्ण ने भी दुर्योधन या दु:शासन को न तो रोका था और न ही स्वयं सजा नहीं दी। कदाचित यह दायित्व पांच पांडवों का था। उस समय वे जुए में हारे हुए व्यक्ति की मर्यादा का निर्वहन कर रहे थे। हम सभी जानते हैं कि बाद में कुरुक्षेत्र का युद्ध हुआ और पांडवों ने गिन-गिन कर बदला लिया। किसी की बांह उखाड़ी, किसी की छाती फाड़ी, किसी की जंघा तोड़ी और द्रोपदी ने रक्त से अपने केश धो लिए। इस युद्ध की विभीषिका किसी विश्व युद्ध से कम नहीं थी। सबकुछ बर्बाद हो गया था। इसयुद्ध में 45 लाख पुरुषों ने भाग लिया था जिसमें से लगभग सभी मारे गए थे। उस समय की आबादी के हिसाब से देखें तो 16 साल से अधिक उम्र के लगभग सभी पुरुष मारे गए थे। रह गए थे केवल बच्चे और महिलाएं। पांडवों की शासन की इच्छा जाती रही थी। उन्होंने राजपाट त्याग दिया और हिमालय को प्रस्थान कर गए। पर अब महाभारत नहीं हो सकता। अब यदि 'द्रौपदी' का भरे दरबार में अपमान हुआ और पतियों के रहते भाई को इज्जत बचाने के लिए आना पड़ा तो वह खड़े पैर अपने पतियों को छोड़ देगी और भाई के साथ मायके चली जाएगी। वहां जाने के बाद वह पतियों समेत ससुराल के पूरे कुनबे के खिलाफएफआईआर दर्ज करा देगी। महिला संगठनों को साथ लेकर अपना मोर्चा खुद संभाल लेगी। बाद में अपने भाई से भी लड़ लेगी कि जब तुम वहां दु:शासन को मार सकते थे, दुर्योधन के दांत तोड़ सकते थे तो खिड़की से साड़ी देने की क्या जरूरत आन पड़ी थी। वह कहती कि सभी पुरुष एक जैसे होते हैं। सभी ने दरबार में हो रहा तमाशा देखा और उसका आनंद लिया। इसके बाद कौरव-पांडव सिर जोड़ कर इस समस्या से बाहर निकलने का रास्ता ढूंढने लगते। वे कहते कि भाई ही भाई के काम आता है। श्रीकृष्ण कुछ दिनों तक तो मांडवाली करने की कोशिश करते फिर थक हारकर दोनों को अपने हाल पर छोड़कर अपने राजपाट को लौट जाते। न महाभारत होता, न भारतभूमि पुरुषों से रुक्त हो जाती और न ही पांडवों को हिमालय जाना पड़ता। यदुवंशियों को गांधारी श्राप नहीं देती और भारतवर्ष के टुकड़े टुकड़े नहीं हुए होते।

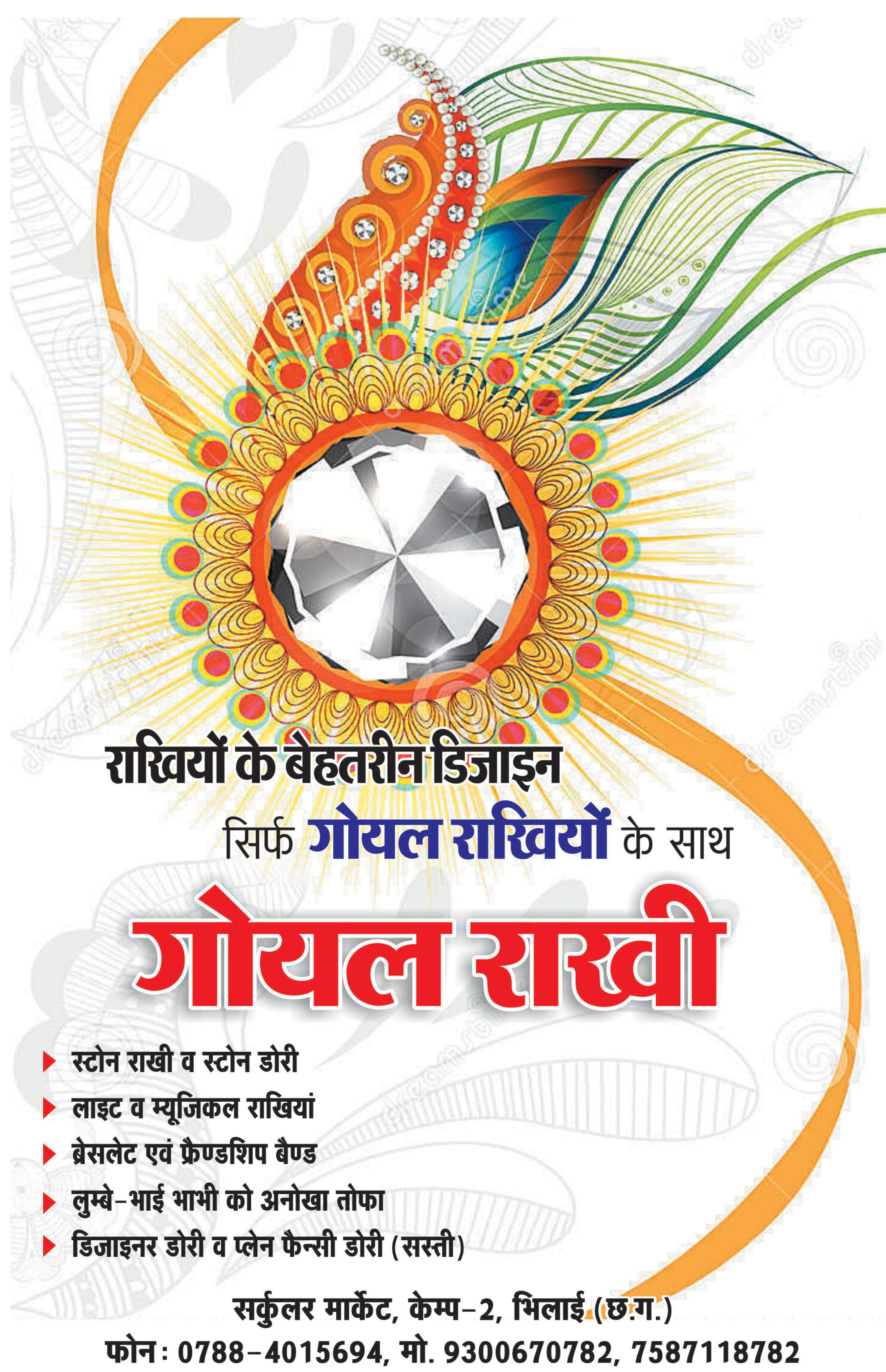

संपादकीय

एक और टूट

मंगलवार को महाराष्ट्र में भाजपा के नेता मंत्री पद की शपथ ले रहे थे और बिहार में भाजपा नेताओं की मंत्रिमंडल से विदाई की राह तैयार हो रही थी। मतलब, महाराष्ट्र अगर भाजपा की झोली में आया है, जो बिहार चला गया। पिछले महीनों से जो तल्खी बढ़ रही थी, उसे दूर करने के प्रयास उतने नहीं हो पाए, जितने होने चाहिए थे। पिछले लोकसभा चुनाव में केंद्रीय स्तर पर भाजपा की बड़ी जीत के बाद जनता दल यूनाइटेड का मंत्रिमंडल में शामिल होने के लिए खुशी-खुशी आगे न आना समस्याओं को बढ़ाता चला गया। नतीजा सामने है, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन टूट गया। गठबंधन में भाजपा की सबसे बड़ी सहयोगी पार्टी जद-यू का जाना एक बड़ी क्षति है। विगत दो दशक से भी ज्यादा समय में ज्यादातर समय नीतीश कुमार राजग का एक सशक्त व स्वीकार्य चेहरा रहे हैं। अगर वह 2013 में अलग हुए, तो 2017 में लौट भी आए थे। आंकड़े गवाह हैं, उनके साथ रहने से भाजपा को बल ही मिला। हालांकि, उतना ही बड़ा सच यह भी है कि इतने लंबे समय तक अगर नीतीश मुख्यमंत्री रहे हैं, तो उसमें भाजपा का सर्वाधिक योगदान है। अकेले वह कभी सत्ता तक नहीं पहुंचते, पर उनके लिए दोनों तरफ सियासी लाभ है। राजग में रहने के अपने फायदे हैं, तो महागठबंधन में रहना उनकी समावेशी राजनीति के मुफीद है।

> “आम लोग तो यही चाहेंगे कि बिहार के विकास के लिए विपक्ष और सत्ता पक्ष, दोनों ही ज्यादा ईमानदारी से काम करें। कोई शक नहीं, आने वाले कम से कम तीन-साढ़े तीन साल बिहार में जमकर राजनीति होगी, लेकिन प्रदेश का विकास भी पहले से तेज होना चाहिए। यह गौर करना भी जरूरी है कि आजादी के तुरंत बाद बिहार कहां खड़ा था और आज 75वें वर्ष में कहां खड़ा है?

बहरहाल, बिहार में हुए बदलाव से राष्ट्रीय राजनीति का समीकरण भी बदल गया है। लोकसभा में 16 और राज्यसभा में चार सदस्यों के साथ जद-यू पूरी मजबूती के साथ राजग सरकार के साथ खड़ा हो जाता था। यह भाजपा का सबसे बड़ा सहयोगी था। बदले समीकरण में अब महाराष्ट्र में नया गठित हुआ शिवसेना समूह ही भाजपा का सबसे बड़ा सहयोगी रह गया है। इस समूह के पास कुल 12 सांसद हैं। लोक जनशक्ति पार्टी के करीब छह सांसद राजग के साथ हैं। अपना दल (सोनेलाल) के दो सांसद हैं और उसके बाद राजग में छह-सात दल ही हैं, जिनके एक-एक सांसद हैं। बाकी कई दल हैं, लेकिन बिना संख्या वे मायने नहीं रखते। जद-यू मायने रखता था, तो भाजपा को उसे साथ रखने की ज्यादा कोशिश करनी चाहिए थी। अब होगा यह कि भाजपा को बिहार में एक बड़े सहयोगी की कमी खलेगी। लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी के नाम से वोट मिल भी जाएंगे, लेकिन राज्य स्तर पर भाजपा को सशक्त स्थानीय नेतृत्व के अभाव से जूझना पड़ेगा। दूसरी ओर, जद-यू बिहार की सत्ता में बना रहेगा और उसके साथ राजद, कांग्रेस और वाम दल भी मिलकर काम करेंगे। राजद, कांग्रेस और वाम दल पहले भी मिलकर सरकार चला चुके हैं, लेकिन विशेष रूप से राजद को ध्यान रखना होगा कि बिहार की जनता के बीच उसे एक नया विश्वास अर्जित करना है। बिहार में बहुत काम शेष हैं और तेजस्वी यादव बखूबी कमियां गिनाते रहे हैं, अब उन्हें मौका मिल रहा है, तो लोगों की शिकायतों को दूर करें। लंबे समय से बिहार के साथ यह समस्या रही है, बिहार की स्थिति को उसके विपक्षी नेता सबसे बेहतर जानते हैं। आम लोग तो यही चाहेंगे कि बिहार के विकास के लिए विपक्ष और सत्ता पक्ष, दोनों ही ज्यादा ईमानदारी से काम करें। कोई शक नहीं, आने वाले कम से कम तीन-साढ़े तीन साल बिहार में जमकर राजनीति होगी, लेकिन प्रदेश का विकास भी पहले से तेज होना चाहिए। यह गौर करना भी जरूरी है कि आजादी के तुरंत बाद बिहार कहां खड़ा था और आज 75वें वर्ष में कहां खड़ा है?

भावनात्मक आजादी का भ्रम

एक अलिखित सा नियम हमसे कहता है कि 'यह दुनिया मजबूत प्राणियों के लिए है', अगर ऐसा होता, तो मनुष्य का अस्तित्व ही नहीं होता, क्योंकि उसे जीवित रहने के लिए लंबे संरक्षण की जरूरत पड़ती है।

'अपनी जिंदगी की शुरुआत और अंतिम दिनों में, यानी बचपन और बुढ़ापे में हमें दूसरों की मदद और स्नेह की आवश्यकता होती है। इन दोनों अवस्थाओं के बीच के अंतराल में, जब हम शारीरिक रूप से मजबूत होते हैं और अपनी देखभाल करने में समर्थ होते हैं, तब स्नेह और करुणा जैसे मूल्यों को महत्व नहीं देते। चूंकि हमारा निजी जीवन स्नेह की जरूरत के साथ शुरू और खत्म होता है, तो क्या यह बेहतर नहीं होगा कि हम जब मजबूत व समर्थ होते हैं, उस समय दूसरों को करुणा व प्रेम दें?'

ये पंक्तियां दलाई लामा की हैं। वाकई, यह अजीब सी बात है कि हम अपनी भावनात्मक आजादी पर गर्व करते हैं, जबकि हकीकत में ऐसा है नहीं। हमें ताजिंदगी दूसरों की जरूरत पड़ती है, लेकिन इसे जाहिर करने को 'शर्म' से जोड़ दिया गया है, इसीलिए हम किसी के सामने नहीं, बल्कि छिपकर रोना चाहते हैं और जब कोई हमसे मदद मांगता है, तो उसे दुर्बल-भावुक माना जाता है। एक अलिखित सा नियम है, जो हमसे कहता है कि 'यह दुनिया मजबूत लोगों के लिए है' या 'सिर्फसबसे योग्य ही इसमें जिंदा रह पाएगा।' अगर ऐसा होता, तो मनुष्य का अस्तित्व ही नहीं होता, क्योंकि वह एक ऐसी प्रजाति का हिस्सा है, जिसे जीवित रहने के लिए लंबे समय तक संरक्षण की जरूरत पड़ती है (विशेषज्ञों का कहना है कि हम नौ साल के बाद ही अपने दम पर जीवित रहने में सक्षम बन पाते हैं, जबकि एक जिराफ को इस योग्य बनने में महज छह से आठ महीने लगते हैं, और मधुमक्खी तो पांच मिनट से भी कम समय में स्वतंत्र हो जाती है)।

तो क्या कोई पूर्णत स्वतंत्र है? मैं अपनी ही बात करूं, तो मेरी जिंदगी दूसरों पर निर्भर रही है और आगे भी रहेगी। मैं अपनी पत्नी, अपने दोस्तों और प्रकाशकों पर निर्भर हूं। मैं अपने शत्रुओं पर भी निर्भर हूं, जो तलवार चलाने में हमेशा दक्ष बनने में मेरी मदद करते हैं। जाहिर है, भावनात्मक स्वतंत्रता एक नाकाम दुर्ग के अलावा हमें कहीं और नहीं ले जाती, जिसका एकमात्र मकसद दूसरों को प्रभावित करना है। इसके उलट भावनात्मक निर्भरता एक अलाव की तरह है, जिसे हम मिलकर जलाते हैं।

शुरुआत में रिश्ते थोड़े मुश्किल होते हैं। ठीक उसी प्रकार, जैसे धुएं में सांस लेने में कठिनाई होती है, और हमारी आंखों से आंसू बह आते हैं। लेकिन एक बार जब आग धधक उठती है, तो धुआं गायब हो जाता है और लपटें हमारे चारों ओर सब कुछ रोशन कर देती हैं। इसी तरह, रिश्ते भी चारों तरफ गर्मजोशी फैलाते हैं, स्थिरता देते हैं, और शायद हमें जलाने के लिए एक चिनगारी भी, पर क्या यह सच नहीं है कि यही सब एक रिश्ते को दिलचस्प भी बनाता है?

पाउलो कोएल्हो, प्रख्यात लेखक

> “इस बयान को आधार बनाकर विपक्षी दल एकजुट होने की पहल कर सकते हैं। नीतीश कुमार की सबसे बड़ी ताकत उनकी स्वीकार्यता और बेदाग छवि है। परस्पर विरोधी दलों के नेताओं से उनके रिश्ते आमतौर पर अच्छे रहे हैं। नीतीश और तेजस्वी की जोड़ी ने बिहार के सियासी शतरंज में भाजपा को मात दे दी है, लेकिन भाजपा इस झटके को आसानी से पचा लेगी, यह सोचना भी नादानी होगी। देखना दिलचस्प होगा कि शह-मात के इस सियासी खेल में भविष्य की तस्वीर कैसी होगी?

गठबंध ने फिर बदली करवट

विनोद बंधु

दो इफ्तार पार्टियों के ईद-गिर्द उभरा बिहार के दो बड़े सियासी बदलावों का प्रतिबिंब यादगार रहेगा। दोनों दावतों में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपने आवास से पैदल ही पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के आवास पर गए और लौटे। 23 जून, 2017 को पैदल जाते और लौटते समय उनका अंदाज बेहद खास था। उनकी चाल-ढाल में उस दिन बुलंदी का संदेश था। वह दौर तत्कालीन महागठबंधन सरकार के उप-मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव पर भाजपा नेता सुशील कुमार मोदी द्वारा लगाए जा रहे भ्रष्टाचार के आरोपों से गरमाया हुआ था। जद-यू तेजस्वी यादव को इन आरोपों पर जनता के समक्ष अपना पक्ष रखने की सलाह दे रहा था। इफ्तार पार्टी से लौटते समय मीडिया से बातचीत में नीतीश कुमार ने जो कुछ कहा, उससे बहुत कुछ साफ हो गया था। इसके एक महीने तीन दिन बाद ही यानी 26 जुलाई, 2017 को उन्होंने इस्तीफा दे दिया और भाजपा के साथ नई सरकार बनाई।

इसके पांच साल बाद 22 अप्रैल, 2022 को नीतीश कुमार इफ्तार पार्टी में शामिल होने फिर पैदल ही राबड़ी देवी के आवास पर गए। वहां तेजस्वी यादव ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया। उसी समय से बिहार में सियासी तस्वीर बदलने के कयास लगाए जाने लगे थे। हालांकि, इस बार सत्ता के नए गठबंधन को आकार लेने में एक की जगह चार महीने लगे।

नीतीश कुमार पांच साल बाद दूसरी बार एनडीए से खुद बाहर हो गए हैं। 2013 में तल्खी बढ़ने पर उन्होंने भाजपा से नाता तोड़कर उसके कोटे के मंत्रियों को बर्खास्त कर दिया था। इसके बाद राजद और कांग्रेस के समर्थन से उनकी सरकार बनी। इसी समर्थन ने आगे चलकर बिहार में जद-यू, राजद और कांग्रेस के महागठबंधन की राह प्रशस्त की। 2015 में इन दलों के महागठबंधन ने विशाल बहुमत से बिहार में सरकार बनाई थी। दोनों बार नीतीश के एनडीए से बाहर होने की पृष्ठभूमि एक जैसी है। साल 2013 में महाराजगंज लोकसभा सीट के उपचुनाव में जद-यू को पराजय का मुंह देखना पड़ा था। जद-यू को भाजपा का पूरा साथ नहीं मिल पाया। दोनों दलों में तल्खी इतनी बढ़ गई कि नीतीश ने अलग होने का फैसला ले लिया। इस बार विधानसभा चुनावों में चिराग पासवान के नए सियासी अवतार ने दोनों दलों में भ्रम की स्थिति पैदा की। जद-यू को सीटों का नुकसान हुआ। नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बनने को तैयार नहीं थे, पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हस्तक्षेप के बाद वह राजी हुए। सरकार का शपथ ग्रहण तो हो गया, लेकिन पहले दिन से अविश्वास की स्थिति बनी रही। जद-यू को चुनाव में चिराग से हुए नुकसान का मलाल बना रहा। चुनाव परिणाम आने के 48 घंटे बाद ही नीतीश ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाजपा से दो टूक कहा था कि वह चिराग पर कार्रवाई करे। अब जद-यू आरसीपी सिंह को भाजपा प्रायोजित दूसरे चिराग के

रूप देख रहा था। आरसीपी सिंह भाजपा की पसंद पर जद-यू कोटे से केंद्र में मंत्री बने थे। भाजपा से उनकी निकटता बढ़ती जा रही थी। इस बार सरकार बनने के बाद एक भी ऐसा मौका नहीं आया, जब जद-यू और भाजपा के रिश्तों में गर्मजोशी दिखी हो, बल्कि बीते छह माह में अपेक्षाकृत तल्खी अधिक दिखी। वार-पलटवार के दौर भी चले। इन सब कारणों से दोनों दलों के बीच संवादहीनता बढ़ती गई। नीतीश ने भाजपा के बिहार प्रभारी भूपेंद्र यादव से मिलना बंद कर दिया। इसके बाद धर्मेंद्र प्रधान को उनसे बातचीत के लिए भेजा गया। नीतीश ने धर्मेंद्र से साफ-साफ कहा था कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व विधानसभा अध्यक्ष उनका अपमान कर रहे हैं। उनके पास विकल्प है। मुख्यमंत्री बने रहने की भी कोई लालसा नहीं है। भाजपा अपना देख ले। इसके बाद धर्मेंद्र प्रधान ने न केवल प्रदेश भाजपा नेताओं को बयानबाजी पर लगाम लगाने की हिदायत दी, बल्कि मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि बिहार में नीतीश कुमार एनडीए के नेता हैं और 2024 और 2025 के चुनाव राज्य में उन्हीं के नेतृत्व में लड़े जाएंगे, पर अविश्वास की खाई गहरी हो चुकी थी। केंद्र सरकार के आमंत्रण पर नीतीश 17 जुलाई से 7 अगस्त तक दिल्ली में आयोजित चार कार्यक्रमों में शामिल नहीं हुए। मंगलवार को उन्होंने अपने सांसदों, विधायकों से कहा कि भाजपा 2013 से ही धोखा दे रही थी। मुझे अपमानित किया जा रहा था।

वैसे नीतीश के भाजपा से अलग होने के फैसले की वजह रिश्तों में खटास तक सीमित मानना वाजिब नहीं होगा, बल्कि इसके गर्भ में देश की आगामी सियासत की पृष्ठभूमि भी पल रही है। राजद, कांग्रेस और वाम दलों ने नीतीश के समर्थन में जो गर्मजोशी दिखाई है, उसके निहितार्थ गहरे हैं। कांग्रेस और वाम दलों ने तो दो कदम आगे बढ़कर एक दिन पहले ही बिना शर्त समर्थन का एलान कर दिया। बिहार में जद-यू की धरातल कुर्मी, कोइरी, महादलित और अति-पिछड़ी जातियों का समीकरण है, तो राजद का एमवाई यानी मुस्लिम, यादव। कांग्रेस और वाम दलों का सीमित ही सही अपना-अपना जनाधार है। यह गठबंधन बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड में भाजपा के सामने बड़ी चुनौती खड़ी कर सकता है। झारखंड में कुर्मी जाति की आबादी 15 और कोइरी छह प्रतिशत है। उत्तर प्रदेश में कुर्मी छह फीसदी हैं। बिहार, यूपी और झारखंड में यादव, मुस्लिम, महादलित, कोइरी-कुर्मी और अति-पिछड़ी जातियों को गोलबंद करने की कोशिश हो सकती है। बिहार में नए समीकरण के आकार लेने की चर्चा के साथ ही यह कयास भी लगने लगे हैं कि नीतीश कुमार राष्ट्रीय राजनीति में विपक्षी राजनीति के एक बड़े किरदार बनकर सामने आएंगे। 30 जुलाई को पटना में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा ने बयान दिया था कि देश में अन्य राष्ट्रीय पार्टियों का वजूद खत्म हो चुका है, क्षेत्रीय पार्टियां भी समाप्त हो जाएंगी, सिर्फ बचेगी भाजपा। इस बयान को आधार बनाकर विपक्षी दल एकजुट होने की पहल कर सकते हैं। नीतीश कुमार की सबसे बड़ी ताकत उनकी स्वीकार्यता और बेदाग छवि है। परस्पर विरोधी दलों के नेताओं से उनके रिश्ते आमतौर पर अच्छे रहे हैं। नीतीश और तेजस्वी की जोड़ी ने बिहार के सियासी शतरंज में भाजपा को मात दे दी है, लेकिन भाजपा इस झटके को आसानी से पचा लेगी, यह सोचना भी नादानी होगी। देखना दिलचस्प होगा कि शह-मात के इस सियासी खेल में भविष्य की तस्वीर कैसी होगी?

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

आखिर कुछ ही राज्यों से क्यों आते हैं ज्यादातर पदक

मनोज चतुर्वेदी, वरिष्ठ खेल पत्रकार

खेलों में सफलता देश के माहौल में उत्साह भर देती है। बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन ने देश के माहौल को खुशनुमा बना दिया है। भारत ने इन खेलों में 61 पदक जीतकर चौथा स्थान हासिल किया है। इस प्रदर्शन को चार साल पहले गोल्ड कोस्ट में 66 पदक जीतने वाले प्रदर्शन से बेहतर माना जा रहा है। इसकी वजह यह है कि पिछली बार सिर्फ निशानेबाजों ने सात स्वर्ण सहित 16 पदक जीते थे। इस बार निशानेबाजी को शामिल ही नहीं किया गया था। इस लिहाज से देखें, तो भारत का प्रदर्शन काफी बेहतर है।

राष्ट्रमंडल खेलों, ओलंपिक या एशियाई खेलों में भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन में निरंतर आ रहे सुधार का कारण देश की खेल-संस्कृति में आए बदलाव को माना जा सकता है। भारत साल 2002 से पहले इन आयोजनों में सिर्फ भाग लेने जाता था, लेकिन उस साल पहली बार हमारे एथलीटों ने अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज कराकर 30 स्वर्ण पदक जीते थे। हालांकि, ये स्वर्ण सिर्फ पांच खेलों में आए थे। सही मायने में भारत में अच्छी खेल-संस्कृति साल 2010 में दिल्ली में राष्ट्रमंडल खेलों के आयोजन से पैदा हुई। इसके कारण देश में बेहतर खेल सुविधाओं का विस्तार तो हुआ ही, खिलाड़ियों की तैयारियों पर भी ध्यान दिया जाने लगा। यह वह दौर था, जब खिलाड़ी अपनी इच्छा से विदेश में तैयारी के लिए जाने लगे और विदेशी कोच को लाने में कोई बाधा नहीं रही।

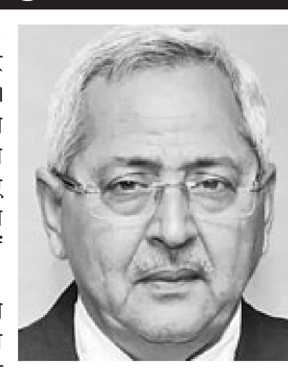

देश की खेल-संस्कृति में आए बदलाव का ही परिणाम था कि नारी शक्ति भी पदक जीतने में कंधे से कंधा मिलाकर योगदान करने लगी। हम यदि बर्मिंघम में भारत द्वारा जीते गए 61 पदकों की बात करें, तो इसमें महिला खिलाड़ियों का आठ स्वर्ण सहित 23 पदकों का योगदान है। यही नहीं, भारतीय दल द्वारा मिक्सड स्पर्द्धाओं में जीते तीन पदकों में भी उनका योगदान रहा।

पिछले दशक में देश की खेल-संस्कृति में बदलाव जरूर आया है, पर कुछ ही राज्यों से प्रतिभाएं सामने आ रही हैं। बर्मिंघम में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों की सूची देखें, तो हमेशा की तरह हरियाणा के सबसे ज्यादा 23 खिलाड़ियों ने पदक जीते हैं। वहीं, तेलंगाना के छह, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और तमिलनाडु के पांच-पांच खिलाड़ियों ने पदक जीते हैं। एकल या व्यक्तिगत पदक जीतने वालों में बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश जैसे राज्यों का कोई खिलाड़ी न होना बताता है कि हम पूरे देश में खेल सुविधाओं को विकसित नहीं कर सके हैं। हम यदि इस पर ध्यान दें, तो ओलंपिक जैसे खेलों में हमें छह-सात पदक जीतकर खुश होना नहीं पड़ेगा।

हरियाणा की सफलता में उसकी खेल सुविधाओं के साथ खेल-नीति का अहम योगदान तो है ही, उसके तमाम पहलवानों व अन्य खिलाड़ियों का दिल्ली में रहकर सुविधाओं का लाभ उठाना भी शामिल है। झारखंड और ओडिशा से हॉकी खिलाड़ी और तीरंदाज निकलते रहते हैं, पर बिहार इस मामले में पिछड़ा नजर आता है। जिस तरह बिहार के युवा दिल्ली सिविल सर्विसेज की तैयारियां करने आते हैं, उसी तरह खिलाड़ी भी आ सकते हैं। पर इसके लिए सरकार को सक्रिय भूमिका निभाने की जरूरत पड़ेगी। खेल सुविधाएं विकसित करने में बीसीसीआई का सहयोग लिया जा सकता है। यह दुनिया का सबसे अमीर क्रिकेट बोर्ड है। साल 2008 में ऐसा प्रयास हुआ भी था। तब बीसीसीआई ने खेल मंत्रालय के सहयोग से 80 करोड़ रुपये का एक राष्ट्रीय खेल विकास कोष बनाया था, जिसमें उसने 50 करोड़ रुपये का योगदान दिया था। मगर इस रकम का सही इस्तेमाल नहीं हो सका।

भारतीय पदक विजेता अमूमन अभावों से जूझकर आए हैं और वे गांवों-कस्बों से ताल्लुक रखते हैं। हमारे यहां खेल सुविधाएं बड़े शहरों में केंद्रित हैं। आर्थिक रूप से कमजोर खिलाड़ियों के लिए इन सुविधाओं तक पहुंचना खासा मुश्किल होता है। इसलिए सुविधाओं का छोटे शहरों तक विस्तार बेहद जरूरी है। वैसे इस तरफ काम किया गया है, पर वह पर्याप्त नहीं दिखता। हम यदि सभी राज्यों में खेल सुविधाएं पहुंचाकर प्रतिभाओं को वहां ला सके, तो हम इन खेलों में दूसरे-तीसरे नंबर के लिए संघर्ष करते नजर आ सकते हैं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

जानकर क्यों अंजान बन जाते हो? अपना होकर, अचानक क्यों, बदल जाते हो?

-अंजली जैन
7024460938

विचारों की ऊंचाई

> नदियां कभी सीधी रेखा में नहीं बहतीं। दरअसल, वक्र रेखा संघर्ष की सूचना देती है। नदियां अपने मार्ग खुद चुनती और बनाती हैं। ऊंचाई से देखने पर उनकी टेढ़ी चाल समझ में आती है।

सादा जीवन और उच्च विचार एक लोक प्रचलित कथन है। सादा जीवन हमारे लिए आदर्श भले हो, पर उसे अपनाने में बाधाएं भी बहुत हैं। जीवों की रचना ही आवरण के साथ हुई है। रक्त-मांस और अस्थियों के अनोखे मिश्रण से प्राणियों की रचना हुई है। मनुष्य भी उनमें शामिल है। अगर आवरण भंग हो जाए, तो हमारे शरीर की मर्यादा टूट जाती है, हाय-तौबा मच जाती है और चिकित्सा का सहारा लेना पड़ता है। बात यहीं तक नहीं रुकती। एक भोले-भाले बालक को जैसे-जैसे सभ्यता का ज्ञान होता है, उसका शरीर कई तरह के आवरणों से ढकता जाता है। वस्तुत: मानव सभ्यता छिपाना सिखाती है। आदमी को अनेक बंधनों के बीच जीना पड़ता है। कहां, क्या और कितना बोलना है, कैसे शिष्टाचार निभाना है, यह सीखना पड़ता है। इसलिए भी सादा जीवन जीना एक कठिन अभ्यास या यूं कहें कि तप बन जाता है, क्योंकि वक्रता की राह आसान होती है, मगर एकदम सीधी रेखा पर चलना कठिन होता है।

मनुष्य जीवन की गति की उपमा नदियों से दी जा सकती है। ऋषि विश्वामित्र ऋग्वेद में नदियों के साथ संवाद करते है। गौर कीजिए, नदियां कभी सीधी रेखा में नहीं बहतीं। दरअसल, वक्र रेखा संघर्ष की सूचना देती है। नदियां अपने मार्ग खुद चुनती और बनाती हैं। वायुयान की ऊंचाई से देखने पर उनकी टेढ़ी चाल समझ में आती है। संस्कृत कवि बाणभट्ट ने कादंबरी के तपोवन वर्णन में लिखा है कि वहां वक्रता कहीं नहीं थी, थी तो केवल नदियों की चाल में थी।

वास्तव में, सरल होने का अर्थ है स्वच्छ और पारदर्शी होना। सहजता एक उत्कृष्ट गुण है। कबीर भी कहते हैं, साधो सहज समाधि भली। सहजता भी एक प्रकार की समाधि ही है, जिससे हम एक नए रूप में अवतरित होते हैं, अपने अंतस तत्व का साक्षात्कार करते हैं। सच पूछिए, तो यह आत्म-साक्षात्कार ही हमें सहज समाधि की ओर ले जाता है। इस स्वच्छ चिंतन में हमारे चैतन्य का प्रचार होता है। सारा जड़-चेतन हमारी अनुभूति का विषय हो जाता है, तभी हमारे विचार भी ऊंचे होते हैं। हमारे आचार की शुद्धता विचार की शुद्धता बन जाती है। संसार की वस्तुएं और घटनाएं हमारा मार्गदर्शन करती हैं।

ज्ञान भले अलग-अलग धाराओं में प्रकट हो, पर उनका तत्व-बोध एक होता है। इसी को भारतीय चिंतन में वादे-वादे जायते तत्वबोध कहा गया है। इसलिए आत्मतत्व का साक्षात्कार करने वाला व्यक्ति सरल, निष्पाप, स्वच्छ और पारदर्शी हो जाता है। दिनकर लिखते हैं, सच्चाई की पहचान कि पानी साफ रहे। यही पारदर्शिता हमारे भीतर उच्च विचारों को जन्म देती है और हमें पूर्ण मनुष्य बनाने में सहायक बनती है।

महेंद्र मधुकर

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे
9827806026, 7869620239

महक सेनीटेशन

सी पी फिटिंग व सेनेटरी की भव्य रेंज किफायती दरों में
एक बार सेवा का मौका अवश्य दें
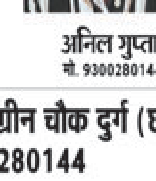
अनिल गुप्ता
मो. 9300280144
शाप नं. 102, 103, किशोर प्लाजा, ग्रीन चौक दुर्ग (छ.ग.)
अनिल गुप्ता, मो. 9300280144

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair

DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में

JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

लक्ष्मी ज्वेलर्स
कुशल
9770584111
8959994444
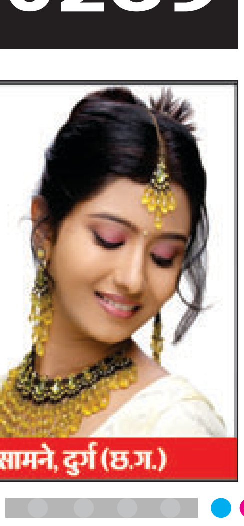
स्टेशन रोड, कर्नाटका बैंक के सामने, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX

ITR फाईल

बनवायें मात्र 500/- में

TDS, GST, TAX Expert

सम्पर्क- शेखर गुप्ता

9300755544

onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

विश्व आदिवासी दिवसः मुख्यमंत्री ने आदि विद्रोह सहित 44 महत्वपूर्ण पुस्तकों का किया विमोचन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन अधिकार के प्रति ग्राम सभा जागरूकता अभियान कैलेण्डर एवं वीडियो संदेश का भी हुआ विमोचनमुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज यहां निवास कार्यालय में आयोजित विश्व आदिवासी दिवस के कार्यक्रम में आदिम जाति अनुसंधान प्रशिक्षण संस्थान द्वारा प्रकाशित 'आदि विद्रोह' एवं 44 अन्य पुस्तिकाओं का विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में वन अधिकार के प्रति ग्राम सभा जागरुकता अभियान के कैलेण्डर, अभियान गीत तथा सामुदायिक वन संसाधन अधिकार (चारगांव जिला धमतरी) के वीडियो संदेश का भी विमोचन किया।

वन अधिकार के प्रति ग्राम सभा जागरूकता अभियान कैलेण्डर एवं वीडियो संदेश का भी हुआ विमोचनकार्यक्रम में इस अवसर पर अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति विकास मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम, वन मंत्री मोहम्मद अकबर, संसदीय सचिव द्वारिकाधीश यादव तथा शिशुपाल सिंह सोरी, अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष भानुप्रताप सिंह, मुख्यमंत्री के सलाहकार राजेश तिवारी, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति के के सचिव डी.डी. सिंह, आयुक्त श्रीमती शम्मी आबिदी, प्रधान मुख्य वन संरक्षक राकेश चतुर्वेदी भी उपस्थित थे। छत्तीसगढ़ के आदिमजाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान द्वारा भारतीय स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम की श्रृंखला में एवं विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आदिमजाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान द्वारा आदिवासी जनजीवन से संबद्ध विभिन्न आयामों को अभिलेखीकृत करने का कार्य किया गया है, संस्थान द्वारा 44 पुस्तकें प्रकाशित की गई है।

आदिमजाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान द्वारा जल-जंगल-जमीन शोषण, उत्पीड़न से रक्षा एवं भारतीय स्वतंत्रता के लिए समय-समय पर आदिवासियों द्वारा किये गये विद्रोहों एवं देश की स्वतंत्रता हेतु विभिन्न आंदोलनों में अग्रणी भूमिका निभाने वाली वीर आदिवासी जननायकों की शौर्य गाथा को प्रदर्शित करने आदि विद्रोह छत्तीसगढ़ के आदिवासी विद्रोह एवं स्वतंत्रता संग्राम के आदिवासी जननायक पुस्तिका तैयार की गयी है। इस पुस्तक में 1774 के हलबा विद्रोह से लेकर 1910 के भूमकाल विद्रोह एवं स्वतंत्रता पूर्व तक के विभिन्न आंदोलन जिसमें राज्य के आदिवासी जनजनायकों की भूमिका का वर्णन है। आदिवासी व्यंजनः राज्य के उत्तरी आदिवासी क्षेत्र जैसे सरगुजा, जशपुर कोरिया, बलरामपुर, सूरजपूर आदि, मध्य आदिवासी क्षेत्र जैसे रायगढ़ कोरबा, बिलासपुर, कबीरधाम, राजनांदगांव, गरियाबंद, महासमुंद, धमतरी एवं दक्षिण आदिवासी क्षेत्र जैसे कांकेर, कोण्डागांव, नारायणपुर, बस्तर, दंतेवाड़ा, सुकमा एवं बीजापुर जिलों में निवासरत जनजातिया में उनके प्राकृतिक पर्यावास में उपलब्ध संसाधनों एवं उनकी जीवनशैली को प्रदर्शित करने वाले विशिष्ट प्रकार के व्यंजन एवं उनकी विधियां अभिलेखीकृत की गई हैं।

छत्तीसगढ़ की आदिम कलाः छत्तीसगढ़ राज्य के उत्तर मध्य एवं दक्षिण क्षेत्र के जिलों में निवासरत जनजातीय समुदायों में उनके दैनिक जीवन के उपयोगी वस्तुओं, घरो की दीवारों में उकेरे जाने वाले भित्ती चित्र, विशिष्ट संस्कारों में प्रयुक्त ज्यामितीय आकृतियां आदि सदैव आदिकाल से जनसामान्य के लिए आकर्षण का विषय रही है। इनमें सामान्य रूप से दीवारों व भूमि पर बनाये जाने वाले कलाकृति, बांस व रस्सी से निर्मित शिल्पाकृति एवं महिलाओं के शरीर में गुदवाये जाने वाले गोदनाकृति या डिजाइनों के स्वरूप तथा उनके पारंपरिक ज्ञान को अभिलेखीकृत किया गया है।

मूसलाधार बारिश में भी कम नही हुआ ताजियादारों का हौसला, अलाव पर भी चले अकीदतमंद

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। कर्बला के शहीदों की याद में मनाए जाने वाले 10 मुहर्रम पर मंगलवार को शहर में सुबह से रात तक जम कर बारिश हुई। हालांकि इस मूसलाधार बारिश में भी ताजियादारों का हौसला कम ना हुआ। इस साल भी बदस्तूर ताजिया निकले। लोग भीगते हुए अखाड़े के करतब दिखाते रहे और पूरे रास्ते 'या हुसैन' की सदा गूंजती रही। हालांकि बारिश के चलते जुलूस में आम लोगों की चहल पहल कम रही।

10 मुहर्रम के मौके पर शहर की तमाम मस्जिदों और घरों में लोगों ने दोपहर में नमाज़े जुहर के बाद दुआए आशूरा पढ़ी और दुआएं की।

मौसम के मिजाज को देखते हुए इस बार लंगर और शरबत की सबील कम लगी। शाम 6:00 बजे के बाद शहर के कैंप,खुर्सीपार व सुपेला सहित अन्य हिस्सों से तमाम ताजिए व अखाड़े पावर हाउस चौक पर पहुंचे।

यहां से निर्धारित रूट पर चलते हुए यह जुलूस सेंट्रल एवेन्यू व जामा मस्जिद सेक्टर 6 के सामने से होते हुए देर रात तक कर्बला मैदान पहुंचा।

जहां फातिहा ख्वानी के बाद जुलूस खत्म हुआ। इसके पहले बीती रात 8 अगस्त को जेपी चौक के समीप और फरीद नगर में अलाव का आयोजन किया गया। जिसमें दहकते अंगारों पर लोगों ने चलकर अपनी अकीदतमंदी का सबूत दिया। इस दौरान बड़ी तादाद में लोग इकट्ठा थे।

मुहर्रम पर शिया समुदाय ने भी मातम किया।

हास्पिटल सेक्टर और प्रियदर्शनी परिसर में दस दिन तक तकरीर में करबला के वाकयात बयान किए गए। 10 मुहर्रम पर मंगलवार को दोनों ईमाम बाड़ों से काले लिबास में जुलूस निकला और पास ही से गश्त कर ईमामबाड़ा लौट गया। शिया समुदाय मुहर्रम पर पूरे 40 दिन मातम करेगा और 40 वें पर फातिहा व जुलूस के साथ मुहर्रम का आयोजन संपन्न होगा।

खास खबर

छात्रों को बताया गया लोकतंत्र में चुनाव का महत्व

बीजापुर। जिल के भैरमगढ़ ब्लॉक के प्राथमिक शाला माटवाड़ा में लोकतांत्रिक प्रक्रिया जानकारी देते हुए बच्चों के बाल संसद चुनाव का आयोजन किया गया था। जिसमे बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया व मतदान किया। बच्चों को लोकतांत्रिक चुनाव प्रक्रिया पर प्रारंभिक समझ व पठन-पाठन की गतिविधियों को खेलकुद के गतिविधियों के साथ बेहतर बनाने के उद्देश्य से विद्यालयों में बाल संसद का चुनाव किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार माटवाड़ा संकुल का डेमो विद्यालय प्राथमिक शाला माटवाड़ा अपने आप में जिले के सभी सरकारी विद्यालयों के लिए उदाहरण के रूप में है। इस विद्यालय में शिक्षक की मेहनत बच्चों के व्यवहार में झलकती है। आकांक्षी जिला कार्यक्रम के तहत जिले में कार्यरत पिरामल फाउंडेशन की ओर से भैरमगढ़ ब्लॉक में चयनित डेमो विद्यालयों में गांधी फेलो सागर गजभिये द्वारा शैक्षणिक गतिविधियों के साथ लर्निंग आउटकम को बेहतर बनाने के उद्देश्य से बाल संसद के गठन को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी प्रयास में प्राथमिक शाला माटवाड़ा में शिक्षकों व संकुल समन्वयक से संपर्क करने के पश्चात बाल संसद के गठन के लिए लोकतांत्रिक चुनाव प्रक्रिया का प्रस्ताव रखा गया। जिसके उपरांत शिक्षकों द्वारा इस चुनाव प्रक्रिया में सम्पूर्ण तैयारियां बच्चों से करवाई गई जिसमें एक पीठासीन अधिकारी, सात मतदान अधिकारी जिसमे विद्यार्थी, तीन शिक्षक व गांधी फेलो शामिल थे, साथ ही दो बूथ लेवल ऑफिसर व तीन सुरक्षा रक्षक के रूप में बच्चों ने भूमिका निभाई। इस बाल संसद के चुनाव के संदर्भ में शिक्षकों ने बच्चों को जानकारी देकर प्रेरित किया, साथ ही चुनाव प्रक्रिया समझाई, इसके पश्चात कुल 22 उम्मीदवार बच्चों ने 11 सीटों पर चुनाव करने के लिए अपनी इच्छा दर्शाई, विद्यालय के शिक्षकों ने सभी उम्मीदवारों के सर पर रखने के लिए कागज की टोपी बनाई, मतदाता सूची बनाई गई। मतदान अधिकारियों के लिए आईडी कार्ड बनाये गए, मतदाता पर्ची बनाई गई।

सामुदायिक वन अधिकार मान्यता पत्र, विशेष पिछड़ी जनजाति के युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित

हमारी सरकार ने आदिवासियों की संस्कृति को सहेजने और संरक्षित करने का कार्य कियाः भूपेश बघेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सामुदायिक वन अधिकार मान्यता पत्र, विशेष पिछड़ी जनजाति के युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरितहमारी सरकार ने आदिवासियों की संस्कृति को सहेजने और संरक्षित करने का कार्य किया है। छत्तीसगढ़ में सरकार बनने के साथ ही हमने आदिवासियों के सशक्तिकरण के लिए कार्य किए। आदिवासी हितों के लिए ऐसे कार्य किए गए जो राज्य बनने के बीस वर्षों में नहीं हुए। हमारी सरकार ने पेसा कानून को पूरी तरह क्रियान्वित करने के लिए नियम बनाए और यह खुशी की बात है कि 08 अगस्त को इसका प्रकाशन छत्तीसढ़ राजपत्र में भी हो गया है।

उक्त बातें मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज यहां अपने निवास कार्यालय में विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कही। विभिन्न जिले इस कार्यक्रम से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। मुख्यमंत्री ने सम्बोधित करते हुए सबसे पहले विश्व आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए मां दंतेश्वरी और बूढ़ा देव की पूजा अर्चना कर किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान द्वारा प्रकाशित आदि विद्रोह एवं अन्य पुस्तिकाओं का विमोचन किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने अचानकमार टाईगर रिजर्व जिला मुंगेली के पांच गांवों महमाई, बाबूटोला, बम्हनी, कटामी, मंजूरहा, सीतानदी टाइगर रिजर्व धमतरी के ग्राम लिखमा, बिनयाडीह, मैनपुर, उदंती टाइगर रिजर्व जिला गरियाबंद के ग्राम कुल्हाड़ीघाट, कठवा को को सामुदायिक वन संसाधन अधिकार मान्यता पत्र प्रदान किया।

सामुदायिक वन अधिकार मान्यता पत्र, विशेष पिछड़ी जनजाति के युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरितमुख्यमंत्री ने कहा कि पेसा कानून लागू होने से ग्राम सभा का अधिकार बढ़ेगा। ग्राम सभा के 50 प्रतिशत सदस्य आदिवासी समुदाय से होंगे। इस 50 प्रतिशत में से 25 प्रतिशत महिला सदस्य होंगी। गांवों के विकास में निर्णय लेने और आपसी विवादों के निपटारे का भी उन्हें अधिकार होगा। पेसा कानून पहले से था, इसके नियम नहीं बनने के कारण इसका लाभ आदिवासियों को नहीं मिल पा रहा था, लेकिन अब नियम बन जाने से वे अपने जल-जंगल-जमीन के बारे में खुद फैसला ले सकेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने समुदायिक अधिकार मान्यता पत्र और व्यक्तिगत मान्यता पत्र का वितरण किया है। उन्होंने कहा कि वन अधिकार मान्यता पत्र के तहत आदिवासियों और वन क्षेत्रों के परंपरागत निवासियों को दी गई भूमि के विकास और उपयोग तथा उनके अधिकारों के संबंध में गांव-गांव में ग्राम सभाओं के माध्यम से 15 अगस्त से 26 जनवरी तक जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। जिससे वे वनों के संरक्षण और विकास में बेहतर योगदान देने के साथ वनोपजों के संग्रहण और वैल्यू एडिशन से अपनी आय में वृद्धि कर सकेंगे।

दिवस की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए मां दंतेश्वरी और बूढ़ा देव की पूजा अर्चना कर किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिवासी अंचलों में स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी कार्य किया है। पहले बस्तर मलेरिया के नाम से जाना जाता था, हर वर्ष मलेरिया के कारण सैकडों लोग बीमार हो जाते थे, जाने भी चली जाती थी, लेकिन हमने मलेरिया मुक्त बस्तर अभियान चलाया, जिसके परिणाम दिखने लगे हैं और अब 65 प्रतिशत लोग मलेरिया से मुक्त हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि हमने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का सुदृढ़कीरण किया।

हाट बाजार क्लीनिक योजना से बस्तर की अंदरूनी क्षेत्रों में निवासियों को इलाज की सुविधा मिलने लगी, इसका परिणाम यह हुआ कि जिस बस्तर जहां हर बरसात में उल्टी-दस्त के कई प्रकरण देखने को मिलते थे, उन क्षेत्रों में काफी कमी आई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने समुदायिक अधिकार मान्यता पत्र और व्यक्तिगत मान्यता पत्र का वितरण किया है। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विश्वास, विकास और सुरक्षा के मूलमंत्र के साथ काम शुरू किया। वहां के लोगों को अपने विश्वास में लेकर काम किया, जहां पर नक्सल हिंसा के कारण के स्कूल तोड़े गए थे और बंद हो गए थे। वहां 300 स्कूलों को फिर से शुरू किया गया।

स्वसहायता समूह की दीदियों द्वारा तैयार तिरंगा झंडा अब लहराने लगे हैं बाजार में

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। स्व सहायता समूह की दीदियों द्वारा तैयार तिरंगा झंडा अब बाजार में लहराने लगे हैं। आजादी के अमृत महोत्सव पर हमर तिरंगा अभियान के तहत हर घर झंडा पहुंचने के लिए स्व सहायता समूह द्वारा तैयार की गए झंडा अब बाजार में मिलने लगी है। महिलाओ द्वारा झंडे के विक्रय के लिए शहर के सी मार्ट, सुमित बाज़ार और जनपद पंचायत के सामने स्टॉल लगाया गया है। जहां पर सभी नागरिक तिरंगा झंडा खरीद सकते हैं। तीन रंगों से रंगा तिरंगा झंडा दीदियों की स्टॉल की रौनक नही बल्कि वहां से गुजरने वाले हर भारतीय नागरिकों में देश भक्ति का जुजून पैदा कर रहा है।

कलेक्टर जनमेजय महोबे ने आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत हमर तिरंगा अभियान के तहत स्व सहायता समूह की महिलाओं को हर घर झंडा फहराने के लिए इस कार्य से जोड़ा है। जिससे सभी नागरिकों तक झंडा पहुंचकर अभियान में भागीदारी सुनिश्चित हो। उन्होंने कहा कि आज़ादी के 75वे वर्षगांठ पर आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है। स्व सहायता समूह की महिलाएं झंडे बनाकर इस अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इसी तरह सभी नागरिकों को स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा तैयार किए झण्डे को खरीदकर अभियान में भागीदारी सुनिश्चित करना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि भारतीय ध्वज, राष्ट्र का प्रतीक है इसी गौरव को सवर्धित करने के लिए आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत 11 से 17 अगस्त तक हर घर झंडा कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें देश के सभी नागरिकों को राष्ट्रीय ध्वज अपने घरों में फहराने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। जिससे हम अपने आजादी के 75 वें वर्ष को अमृत महोत्सव के रूप में मना सके। इसके लिए जिला प्रशासन द्वारा लगातार जागरूक किया जा रहा है।

बारिश के बीच दिखा विश्व आदिवासी दिवस का उत्साहः मंत्री लखमा

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। टाउन हॉल में आयोजित समारोह में हितग्राहीमूलक सामग्री का वितरणहितग्राहीमूलक सामग्री का वितरणविश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर मंगलवार 9 अगस्त को पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री श्री कवासी लखमा, संसदीय सचिव श्री रेखचंद जैन, नगर निगम सभापति श्रीमती कविता साहू सहित उपस्थित अतिथियों का स्वागत पारंपरित साफा पहनाकर किया गया।

इस अवसर पर प्रभारी मंत्री ने 400 हितग्राहियों को व्यक्तिगत वन अधिकार पत्र, 8 सामुदायिक वन संसाधन अधिकार पत्र, 1308 वन अधिकार पत्रधारी आदिवासी किसानों को 11 करोड़ 6 लाख रुपए से बनने वाले बकरी शेड, मुर्गी शेड, पशु शेड, भूमि सुधार, कुंआ, डबरी निर्माण कार्य की प्रशासकीय स्वीकृति का आदेश प्रदाय किया।

उन्होंने इस अवसर पर बेनपुटी के किसान कार्तिक कश्यप को अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति द्वारा संचालित योजना के तहत ट्रेक्टर व ट्रॉली प्रदान किया। इसके साथ ही करपावंड स्थित एकलव्य विद्यालय के छात्र समीर कश्यप दसवीं कक्षा में 90.5 प्रतिशत अंक लाने पर सम्मानित किया।

इस दौरान प्रभारी मंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ शासन द्वारा यहां की आदिवासी संस्कृति का सम्मान करते हुए विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर अवकाश की घोषणा की, जिससे इस उत्सव का उत्साह कई गुना बढ़ गया है। बस्तर में भारी बारिश के बीच सभी आदिवासी इस उत्सव को बड़े उत्साह के साथ मना रहे हैं। उन्होंने विश्व आदिवासी दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ शासन की नीतियों के कारण आदिवासियों की संस्कृति के संरक्षण के साथ ही आर्थिक, शैक्षणिक और स्वास्थ्य के क्षेत्र में तेजी से विकास हुआ है।

इस अवसर पर कलेक्टर चंदन कुमार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र मीणा, वन मंडलाधिकारी डीपी साहू, कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान के संचालक धम्मशील गणवीर सहित आदिवासी विकास विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में आदिवासीजन उपस्थित थे।

ॐ साईं राम

माँ पुस्तक भंडार

स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान

पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है

रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)

मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972

CROWN® - TV

Choice Of Millions

LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

CONTACT

Premier sales 8959493000

Arhum Electronics 9926100315

A Leela Electronics 9425507772

Reena Electronics 9329132299

Shree Electronics 7000827361

Maa Durga Electronics 9827183839

Rohit Electronics 94242-02866

Authorised Distributers For Chhattisgarh

Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर

जनचौपाल और लोकसेवा गारंटी अधिनियम के प्रकरणों का प्राथमिकता से हो निपटारा

रायपुर (ए)। स्वतंत्रता सप्ताह 11 से 17 अगस्त तक चलने वाले हर घर झंडा कार्यक्रम में सामाजिक उपकर्मों, स्वसहायता समूहों, सामाजिक संगठनों के साथ ही कार्पोरेट और निजी संगठन भी शामिल हो। साथ ही शासकीय वेबसाइटों व सोशल मीडिया का प्रयोग कर आम लोगों को जागरूक किया जाए और अमृत महोत्सव हर घर तिरंगा को वेबसाइट के माध्यम से लिंक किया जाए। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे ने सोमवार को इस संबंध में समय सीमा की बैठक भी ली। बैठक में उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनचौपाल और लोकसेवा गारंटी अधिनियम के प्रकरणों को प्राथमिकता से निपटाया जाए।

आम नागरिकों को अपने घर पर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा झंडा फहराने प्रेरित किया जाए

उन्होंने बताया कि राजधानी रायपुर में स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह 15 अगस्त को सुबह 9 बजे पुलिस परेड ग्राउंड रायपुर में आयोजित होगा। राजधानी स्थित सभी कार्यालयों में स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रम सुबह 8 बजे के पूर्व सम्पन्न करा लिए जाए। समस्त कार्यालय प्रमुख अपने-अपने कार्यालय में सुबह 7.30 बजे ध्वजारोहण करेंगे तथा राष्ट्रीय गान किया जायेगा। उन्होंने बताया कि कलेक्ट्रेट में सुबह 7 बजे ध्वजारोहण एवं राष्ट्रीय गान किया जाएगा एवं जिला स्तरीय पुरस्कार वितरण किया जाएगा।

पार्किंग, साफ-सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने निर्देश

कलेक्टर डॉ. भुरे ने पुलिस विभाग के अधिकारियों को मुख्य कार्यक्रम स्थल पर यातायात एवं पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित करने, आयुक्त नगर निगम रायपुर को पुलिस परेड ग्राउंड में साफ-सफाई एवं पीने की पानी की व्यवस्था, निर्बाध विद्युत व्यवस्था करने आदि निर्देश दिए।

समय-सीमा पर निपटाया जाए राजस्व प्रकरण

उन्होंने राजस्व विभाग के अधिकारियों से राजस्व प्रकरणों का निराकरण समय-सीमा में सुनिश्चित करने कहा। उन्होंने सभी अनुविभागीय दंडाधिकारी राजस्व से राजीव युवा मितान क्लब के गठन एवं गोठान समिति के गठन की जानकारी ली।

आचार्य विशुद्ध सागर का प्रवचन में संदेश, बात करना और सुनना सीखो

रायपुर (ए)। यदि घर के किसी सदस्य की बात बुरी लगे तो अंदर ही अंदर घुटना मत, बोल देना। जो बोलना छोड़ देते हैं, उनके कषाय शांत नहीं हो सकते। व्यक्ति के भीतर से बातें निकल नहीं पातीं तो कषायों का ज्वालामुखी फटता है। कषायों की ज्वाला से बचना चाहते हो तो बात करने के साथ सुनना भी सीखो। यह संदेश दिगंबर जैन मंदिर फाफाडीह में आचार्य विशुद्ध सागर ने दिया। आचार्य ने कहा कि परिस्थितियों को देखना चाहिए और मन की स्थिति ठीक करना चाहिए। परिस्थिति बदले न बदले अपने मन की स्थिति को सदैव ठीक रखो, परिस्थितियां बदल भी जाएगी। सदैव ध्यान रखना कि बच्चों के सामने कभी अशुभ कार्य न करना। आपके पास विवेक होना चाहिए। बच्चा शुरुआती कक्षाओं में ए टू जेड व अ से ज्ञ तक जो सीखता है, उसे जीवन भर नहीं भूलता, वह आपकी अशुभ क्रियाएं सब देखता रहता है। बालक के सामने ऐसी क्रिया मत करो कि उसका भविष्य बिगड़ जाए।

खाटूवाले श्याम प्रभु की निशान यात्रा निकाली

रायपुर (ए)। श्री श्याम प्रचार सेवा समिति के नेतृत्व में प्रत्येक माह शुक्ल पक्ष की एकादशी पर श्री श्याम प्रभु की ध्वजा (निशान) यात्रा निकाली जाती है। इसी के तहत सावन माह की एकादशी पर ध्वजा यात्रा निकाली गई। समिति के संस्थापक सौरभ अग्रवाल एवं अध्यक्ष प्रभात अग्रवाल ने बताया कि 40 माह से लगातार श्याम भक्तों के साथ मिलकर यात्रा निकाली जा रही है। यात्रा के प्रभारी सचिन शर्मा, शैलेश कसेरा, सौरभ अग्रवाल के सान्निाध्य में निकाली गई यात्रा में 41 ध्वजा प्रभु के श्रीचरणों में अर्पित की गई। यात्रा जवाहर नगर स्थित श्री शिव राधा किशन मंदिर से खाटूश्याम मंदिर समता कालोनी पहुंचकर समाप्त हुई। सीकर राजस्थान के श्याम खाटू मंदिर में घटित घटना पर दुख जताते हुए मृतकों को आदराजंलि दी। मृतकों के स्वजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए घायलों के जल्द स्वास्थ्य लाभ की कामना की।

राज्य में पेसा कानून लागू होने से बढ़ेगा ग्राम सभा का अधिकारः मुख्यमंत्री बघेल

आर्थिक सशक्तिकरण की तरफ अग्रसर हैं प्रदेश के आदिवासीः मुख्यमंत्री

प्रदेश में आदिवासी संस्कृति को सहेजने का किया जा रहा है कार्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि पेसा कानून पहले से अस्तित्व में था लेकिन इसके नियम नहीं बनने के कारण इसका लाभ आदिवासियों को नहीं मिल पा रहा था। मुख्यमंत्री ने कहा है कि छत्तीसगढ़ में पेसा अधिनियम को लेकर नियम बन चुका है और इसके लिए आठ अगस्त को राजपत्र में प्रकाशन भी किया जा चुका है। इससे आदिवासी अपने जल-जंगल-जमीन के बारे में खुद फैसला ले सकेंगे।

मुख्यमंत्री विज्ञान महाविद्यालय परिसर स्थित दीन दयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आयोजित सर्व आदिवासी समाज छत्तीसगढ़ के कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम में राज्य भर के जनजाति समुदाय के लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ शहीद वीर नारायण के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा है कि आदिवासियों के हितों को संरक्षण देने के लिए राज्य में पेसा कानून लागू होने से ग्राम सभा का अधिकार बढ़ेगा। नए नियम से ग्राम सभा के 50 प्रतिशत सदस्य आदिवासी समुदाय से होंगे। इस 50 प्रतिशत में से 25 प्रतिशत महिला सदस्य होंगी।

विश्व आदिवासी दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि उनकी सरकार बनने के बाद विश्व आदिवासी दिवस पर सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की गई, आदिवासियों को वन अधिकार के पट्टे प्रदान किए गए जिसके तहत अभी तक पांच लाख पट्टे वन अधिकार के तहत दिए जा चुके हैं। आदिवासियों के हितों का ध्यान रखने के लिए और योजनाओं का समय पर क्रियांवयन करने के लिए जन जागरण अभियान कैलेंडर का विमोचन किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार 65 प्रकार के लघु वनोपज खरीद रही है और इससे आदिवासियों का आर्थिक सशक्तिकरण हो रहा है, यही वजह है कि बस्तर और सरगुजा के आदिवासी अपने गांवों के लिए बैंक खोलने की मांग कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिवासियों के स्वास्थ्य के लिए राज्य सरकार लगातार काम कर रही है और इसी का नतीजा है कि मलेरिया के मामलों में 65प्रतिशत कमी आई है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लीनिक से भी लाखों लोग लाभांवित हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में कहा कि शिक्षा के मामले में भी हम आगे बढ़ रहे हैं, हमने बस्तर के 300 बंद स्कूलों को शुरू करने का काम किया है और शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए राज्य में 10 हजार नए शिक्षकों की भर्ती भी होने जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिम संस्कृति छत्तीसगढ़ की पहचान है और आदिवासियों का आजादी की लड़ाई में बड़ा योगदान रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम आदिवासियों के सारे योगदान को सहेज कर रखना चाहते हैं और इसके लिए भाषा, संस्कृति सभी कुछ सहेजने का काम किया जा रहा है। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने सभी को विश्व आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं दी हैं। इस अवसर पर शिक्षा एवं आदिम जाति विकास मंत्री प्रेमसाय सिंह टेकाम, अनुसूचित जन जाति आयोग के अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह, अनुसूचित जन जाति आयोग की उपाध्यक्ष सुश्री राजकुमारी दीवान, विधायक एवं संसदीय सचिव शिशुपाल सोरी, विधायक सत्यनारायण शर्मा, विधायक बृजमोहन अग्रवाल, सर्व आदिवासी समाज के अध्यक्ष भारत सिंह समेत हजारों की संख्या में आदिवासी समाज के लोग उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ में अब तक 675.2 मिमी औसत वर्षा दर्ज

रायपुर। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2022 से अब तक राज्य में 675.2 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून से नौ अगस्त तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार बीजापुर जिले में सर्वाधिक 1731.5 मिमी और सरगुजा में जिले में सबसे कम 273.6 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है। राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून से अब तक सूरजपुर में 371.6 मिमी, बलरामपुर में 311.9 मिमी, जशपुर में 356.0 मिमी, कोरिया में 386.8 मिमी, रायपुर में 459.2 मिमी, बलौदाबाजार में 598.1 मिमी, गरियाबंद में 756.6 मिमी, महासमुंद में 619.3 मिमी, धमतरी में 775.6 मिमी, बिलासपुर में 672.3 मिमी, मुंगेली में 682.3 मिमी, रायगढ़ में 586.4 मिमी, जांजगीर-चांपा में 743.0 मिमी, कोरबा में 492.2 मिमी, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 596.8 मिमी, दुर्ग में 603.2 मिमी, कबीरधाम में 629.5 मिमी, राजनांदगांव में 690.2 मिमी, बालोद में 795.1 मिमी, बेमेतरा में 417.0 मिमी, बस्तर में 1052.7 मिमी, कोण्डागांव में 783.9 मिमी, कांकेर में 888.2 मिमी, नारायणपुर में 788.7 मिमी, दंतेवाड़ा में 1082.1 मिमी और सुकमा में 761.4 मिमी औसत वर्षा रिकार्ड की गई।

सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करने सोशल मीडिया को बढ़ावा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बेहतर यातायात व्यवस्था हेतु अंतर्विभागीय लीड एजेंसी (सड़क सुरक्षा) द्वारा अपील की गई है कि सड़क सुरक्षा हम सबका कर्तव्य और हम सबकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। इसे ध्यान में रखते हुए अंतर्विभागीय लीड एजेंसी से सोशल मीडिया में जुड़कर छत्तीसगढ़ सड़क सुरक्षा अभियान के प्रोत्साहनकर्ता बने और अपने परिवार-मित्रों को भी इससे अधिक से अधिक जोड़े।

इसके तहत अपील की गई है कि अंतर्विभागीय लीड एजेंसी द्वारा सोशल मीडिया के विभिन्न एप्प- ट्वीटर, फेसबुक, इंस्टाग्राम तथा यू-ट्यूब में तैयार नवाचार का प्रयोग करते हुए सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक नागरिक बनें और सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम में अपनी अहम भागीदारी निभाएं। एजेंसी द्वारा सोशल मीडिया के इन माध्यमों में ट्वीटर तथा यू-ट्यूब में 'रोड सेफ्टी सीजी' और इंस्टाग्राम तथा फेसबुक में 'सड़क सुरक्षा मितान' के नाम से नागरिकों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाने का कार्य किया जा रहा है। इनमें राज्य में बेहतर यातायात व्यवस्था हेतु यातायात नियमों के पालन तथा प्रशिक्षण आदि यातायात के मार्गदर्शिका सिद्धांतों के बारे में विस्तार से अवगत कराया गया है।

गौरतलब है कि प्रदेश बनने के साथ-साथ छत्तीसगढ़ में हर श्रेणी के वाहनों को बढ़ते देखा गया। शहरों के साथ-साथ गांवों में, और गांवों-से-शहरों तक पहुँचने में सड़कों के गुणवत्तापूर्ण निर्माण, चौड़ीकरण और विस्तार से, प्रदेश की जनता को आवागमन की सहूलियत तो मिली, पर 'सड़क सुरक्षा' के लिए चुनौतियां भी। वाहनों की संख्या और रफ्तार बढ़ने से 'सड़क सुरक्षा' और यातायात के नियमों और व्यवस्था को एक नए नजरिए से देखने की जरूरत महसूस हुई।

सुप्रीम कोर्ट कमेटी ऑन रोड सेफ्टी के दिशा-निर्देश के अनुपालन में, 'सड़क सुरक्षा' और सड़कों पर हादसों के रोकथाम जैसे गंभीर विषयों को समझने, पॉलिसी और दिशा-निर्देश बनाने और जागरूकता लाने के उद्देश्य से, इंटर डिपार्टमेंटल लीड एजेंसी (रोड सेफ्टी) की परिकल्पना की गयी। इस एजेंसी के क्रियान्वयन और प्रयासों से पिछले कुछ ही वर्षों में प्रदेश में श्सड़क सुरक्षाश् के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव दिखने लगे। हादसों के आकलन और कारण समझने लीड एजेंसी द्वारा पूरे प्रदेश में नियमित भ्रमण कर निगरानी रखी जा रही है।

पिछले कुछ वर्षों में, किसी भी महत्वपूर्ण अथवा संवेदनशील विषय को जन-जन तक पहुंचाने में सोशल मीडिया की एक अभूतपूर्व भूमिका परिलक्षित हुई है। जागरूकता से जुड़े मुद्दों के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए इसकी पहुंच महत्वपूर्ण है। 'सड़क सुरक्षा' जैसे गंभीर विषय को छत्तीसगढ़ की जनता के लिए, सहजता और सरलता से समझने, अपनाने और जीवन का हिस्सा बनाने की दृष्टि से लीड एजेंसी ने सोशल मीडिया हैंडल बनाए हैं। इसके अंतर्गत फेसबुक, ट्वीटर, इंस्टाग्राम और यू-ट्यूब के जरिए सम्बंधित जानकारी, जागरूकता सामग्री का प्रचार-प्रसार नियमित किया जा रहा है। अंतर्विभागीय लीड एजेंसी (सड़क सुरक्षा) द्वारा सोशल मीडिया में लोगों की स्वीकार्यता और सक्रियता को देखते हुए अपील की गई है कि वे इंटर डिपार्टमेंटल लीड एजेंसी (रोड सेफ्टी) को अपना बहुमूल्य वक्त, प्रतिक्रियाएं और मार्गदर्शन प्रदान करें, जिससे हम इन सोशल मीडिया हैंडल्स को और प्रभावी बना सके तथा सुरक्षा का संदेश जन-जन तक पहुंचा सके।

कुलपति डॉ. चंदेल ने वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक ली

पैरा मशरूम उत्पादन एवं बीज प्रक्रिया इकाई उद्घाटित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र तथा कृषि विज्ञान केन्द्र, महासमुंद का भ्रमण किया। महासमुंद प्रवास के अवसर पर डॉ. चंदेल ने कृषि महाविद्यालय एवं कृषि विज्ञान केन्द्र, महासमुंद में संचालित अनुसंधान कार्यों, विभिन्न गतिविधियों एवं प्रक्षेत्र का अवलोकन किया एवं उसकी सराहना की। भ्रमण के दौरान उन्होंने अधिकारियों एवं वैज्ञानिकों को ऐसी कार्ययोजना बनाने एवं उस पर कार्य करने की सलाह दी जिससे किसानों की आय में वृद्धि की जा सके। इस दौरान उन्होंने कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र, महासमुंद में स्थित अनुसंधान प्रयोगशालाओं का अवलोकन भी किया। इस अवसर पर उन्होंने कृषि विज्ञान केन्द्र, महासमुंद में नवनिर्मित पैरा मशरूम उत्पादन एवं बीज प्रक्रिया ईकाई का उद्घाटन किया। इस अवसर पर कलेक्टर निलेश कुमार क्षीरसागर, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय की प्रबंध मण्डल सदस्य वल्लरी चन्द्राकर, निदेशक विस्तार डॉ. पी.के. चन्द्राकर, जिला पंचायत, महासमुंद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सचिदानंद आलोक, महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अनुराग तथा प्रगतिशील कृषक उपस्थित थे।

कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल के महासमुंद प्रवास के अवसर पर कृषि विज्ञान केन्द्र, महासमुंद, रायपुर एवं दुर्ग के वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक ली। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय जल्द ही केन्द्र सरकार, राज्य सरकार एवं बीज निगम के साथ मिलकर एक किसानोंपयोगी योजना लाने की तैयारी कर रहा है, जिससे राज्य के किसानों को अपने उत्पाद को विक्रय करने में परेशानी ना हो और उन्हें इसका उचित मूल्य मिल सके। उन्होंने बताया कि कृषि विज्ञान केन्द्रों में जल्द ही बीज प्रक्रिया इकाई प्रारंभ की जायेगी जिससे किसानों को ''इंदिरा ब्रांड'' के नाम से विभिन्न फसलों के बीज उपलब्ध कराये जाएंगे।

स्वाइन फ्लू का खतरा बढ़ा, लेकिन किट की किल्लत से लैब में जांच बंद

रायपुर (ए)। पं. जवाहर लाल नेहरू मेमोरियल मेडिकल कालेज (डॉ. भीमराव आंबेडकर अस्साल) की लैब में महीनों से रिएजेंट किट नहीं है। स्थिति यह है कि लिवर फंग्सन, थायराइड, हार्मोन, स्वाइन फ्लू, सीबीसी, ट्यूमर मार्कर, किडनी व खून से जुड़ी कई तरह की जांचें बंद हो गई है। ऐसे में अस्पताल आने वाले मरीजों की जांच न हो पाने से इलाज प्रभावित हो रहा है।

अस्पताल प्रबंधन से मिली जानकारी के अनुसार अस्पताल में हर दिन 2,500 से अधिक ओपीडी व गंभीर मरीज इलाज के लिए आते हैं। ऐसे में मरीजों के बीमारियों से जुड़ी खून, हार्मोन, हृदय, किडनी, लिवर आदि 3,000 से अधिक जांचें हर दिन होती है। किट नहीं होने से जांचें बंद हैं। ऐसे में इलाज के लिए आने वाले मरीजों को बाहर भेजा जा रहा है। अधिकतर मरीज जांच के अभाव में बिना इलाज के ही अस्पताल से लौट रहे हैं। मामले को लेकर माइक्रोबायोलाजी, बायोकेमिस्ट्री और पैथोलाजी विभाग के अधिकारियों का कहना है कि रिएजेंट किट व जांच के लिए अन्य जरूरी सामान को लेकर कई बार प्रबंधन को मांग भेजी गई है। शासन को भी स्थिति से अवगत कराया जा चुका है।

बता दें कि दवाएं, चिकित्सकीय उपकरण आदि की सप्लाई छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेस कारपोरेशन (सीजीएमएससी) करता है। इसके लिए अस्पतालों के कुल बजट का 90 प्रतिशत हिस्सा सीजीएमएससी को शासन द्वारा पहले ही दे दिया जाता है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

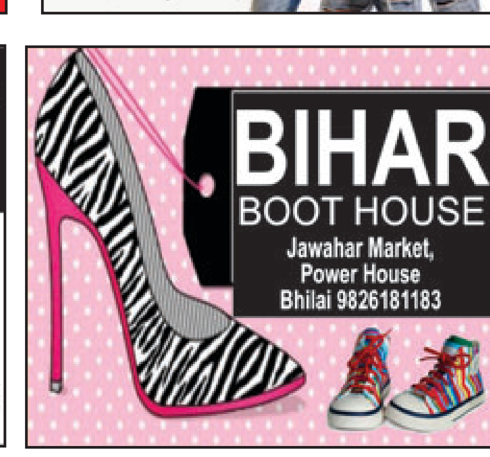

पम्मी के किरदार पर अदिति पोहनकर बोलीं

यह रोल मुझे बहुत मेहनत से मिला मैंने 10 किलो वजन बढ़ाया था

पम्मी पहलवान के किरदार से फेमस हुई अदिति पोहनकर अपने काम से इन दिनों सुर्खियों में बनी हुई हैं। हाल ही में इनकी वेब सीरीज शी का दूसरा सीजन रिलीज हुआ। अदिति ने अपने करियर, किरदार और सोशल लाइफपर बात की।

पम्मी के किरदार की खूब तारीफ हो रही यह रोल कैसे मिला?

पम्मी का किरदार बहुत मुश्किल से मिला है। मैंने 10 किलो अपना वजन बढाया। प्रकाश सर ने मुझसे कहा, क्या तुम बढा पाओगी? मैंने कहा अगर आपको मुझ पर यकीन है तो मै बढ़ा लूंगी। इसके बाद मैंने जिम, ट्रनिग और मेहनत की, जैसे-जैसे शूटिंग का समय पास आया तब तक मैंने साढ़े नौ किलो वजन अपना बढ़ा लिया था। इसीलिए मुझे यह रोल बहुत मुश्किलों से मिला, लेकिन मुझे इसकी खुशी है कि जो मेहनत मैंने की उसका बेनिफिट मुझे मिला।

भूमि और पम्मी का किरदार से अदिति असल जिंदगी में कितनी सिमिलर हैं?

मैं असल जीवन में भी बिल्कुल भूमि और पम्मी के जैसी ही हूं। मैं इनोसेंट भी हूं और उसी समय में करेजेस भी हूं, इन दोनों किरदारों से भी यही सीखा है। लोग बोलते हैं कि तुम लड़की हो, इस चीज को कैसे कर पाओगी। इस तरह की चीजें सुनने के बाद, आप अपने आप पर शक करने लगते हो कि यह काम कर पाओगे कि नहीं। उस वक्त जो भूमि और पम्मी ने जो सिखाया है, उसको हमेशा अप्लाई करती हूं।

थिएटर शो से पहली फिल्म मिली थी, क्या अब भी थिएटर करती हैं?

अब खैर मैं कर नहीं रही हूं, क्योंकि मुझे कोई ले नही रहा। मैं थोड़ा बिजी हो गई हूं रिहर्सल करने का समय नहीं है। लोग कहते हैं अगर कास्ट किया तो तुम शो नहीं कर पाओगी, इसीलिए कोई मुझे ले नहीं रहा। कोई कास्ट करेगा तो मैं जरूर करूंगी।

निशिकांत कामत, प्रकाश झा और शूजित सरकार के साथ काम किया तीनों के सेट का माहौल कैसा होता हैं?

तीनों डायरेक्टर मेरे लिए बराबर हैं। क्योंकि तीनों ही एक्टर को अपना इनपुट रखने का समय देते हैं और खुद भी बताते हैं कि यहां ये करना चाहिए। प्रकाश सर कहते हैं कि तुम करो फिर देखते हैं। तीनों के ही सेट में हमेशा से मुझे छूट मिली है।

अदिति सोशली कितनी एक्टिव हैं?

आजकल मैं सोशली बहुत एक्टिव हूं। आप देखिए मेरा सोशल मीडिया, फॉलो करिए मुझे। एक्टिव होने के बाद मुझे पता चला कि लोग आपको इतना प्यार देते हैं, इसीलिए मैं अब सोशल मीडिया यूज करने लगी हूं। मेरी तारीफहो रही है, मुझे बहुत मजा आ रहा है।

रिलीज के बाद अपनी फिल्में नहीं देखते ये स्टार्स, वजह जानकर रह जाएंगे हैरान

किसी फिल्म को बनाने के लिए स्टार्स जीतोड़ मेहनत करते है। अपने किरदार में जान फूंकने के लिए कठिन से कठिन ट्रेनिंग से गुजरते हैं। जरुरत के मुताबिक फैशन और स्टाइल अपनाते हैं। कुल मिलाकर दिन-रात एक कर देते हैं। इतनी मेहनत से तैयार हुई फिल्मों से स्टार्स को बेशक काफी जुड़ाव महसूस होता है। मगर, इसके बाद भी कुछ बॉलीवुड सितारे ऐसे हैं, जो अपनी फिल्में देखना पसंद नहीं करते हैं। जी हां, यह बात हैरान कर सकती है, लेकिन कुछ स्टार्स फिल्म रिलीज होने के बाद अपनी फिल्मों में दिलचस्पी नहीं लेते।

करीना कपूर खान

बॉलीवुड की गॉसिप क्वीन करीना कपूर खान अपने फिल्मी किरदारों को बड़ी शिद्दत से अदा करती हैं। मगर, हैरानी की बात यह है कि फिल्म की रिलीज के बाद वह खुद अपनी फिल्मों को देखना पसंद नहीं करती हैं। इस बात का खुलासा हाल ही में करण जौहर के चैट शो 'कॉफी विद करण' के दौरान हुआ। करण जौहर ने करीना से पूछा कि क्या वह इस बार 'लाल सिंह चड्ढा' देखेंगी? इसके बाद करण ने आमिर से कहा, 'करीना अपनी फिल्में नहीं देखती हैं। उन्हें कोई फर्क भी नहीं पड़ता कि फिल्म चली या फिर नहीं चली या फिर हिट हुई या फ्लॉप। चली तो ठीक, नहीं चली तो ठीक।' करीना भी करण की इस बात से सहमत नजर आईं। हालांकि, करीना के बारे में यह सच जानकर आमिर खान ने बेहद हैरानी जताई और करीना से सवाल किया कि 'तुम अपना काम नहीं देखती और गर्व से बता भी रही हो।' इस पर करीना ने कहा, 'रिलीज के तुरंत बाद नहीं देखती। इससे एंजाइटी फील होती है। बाद में कभी देख लेती हूं।

शाहरुख खान

अभिनेता शाहरुख खान की फिल्मों का फैंस को बेसब्री से इंतजार रहता है। मगर, खुद शाहरुख खान हैं कि अपनी फिल्में ही नहीं देखते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक शाहरुख मानते हैं, 'मेरे लिए मेरी फिल्म बच्चे जैसी है। अगर मैं सोचूंगा कि मेरी बेटी एक्स बनेगी और वह वाई के जैसी बनती है, तो भी वह मेरी बेटी ही रहेगी। मैं उससे उतना ही प्यार करूंगा। इसलिए मैं अपनी फिल्में नहीं देखता।' शाहरुख खान का यह भी कहना है कि 'मैंने अपनी फिल्म कभी पूरी एक साथ नहीं देखी। मैं उसे छोटे-छोटे हिस्सों में देखता हूं।

बोमन ईरानी

अभिनेता बोमन ईरानी अपने किरादारों को बखूबी निभाना जानते हैं। भले ही वह सपोर्टिंग रोल्स में नजर आते हैं, लेकिन उनके किरदार काफी दमदार होते हैं। फैंस को उनकी फिल्में बेहद पसंद आती हैं। मगर, खुद बोमन अपनी फिल्में नहीं देखते हैं। एक बातचीत के दौरान बोमन ईरानी ने कहा था, 'मैं खुद को लेकर काफी क्रिटिकल हूं। मैं खुद को पर्दे पर नहीं देख सकता। मैं अगर ऐसा करता हूं तो खुद में ही कई सारी कमियां निकाल दूंगा।

इमरान खान

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान के भांजे इमरान खान यूं तो लंबे वक्त से फिल्मों में नजर नहीं आ रहे हैं। मगर, उनके बारे में भी दिलचस्प बात है कि वो अपनी फिल्में देखना पसंद नहीं करते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने अपनी फिल्म 'जाने तू या जाने ना' रिलीज होने के एक साल बाद देखी थी। उनका कहना है, 'जब मैं अपनी फिल्में देखता हूं, तो सोचता हूं कि यह सीन और ज्यादा बेहतर हो सकता था, इसलिए अपनी फिल्में देखने से बचता हूं।

नागा चैतन्य ने किया अपने टैटू को लेकर खुलासाः बोले- ये मेरी और सामंथा की वेडिंग डेट मोर्स कोड में लिखी हुई है

नागा चैतन्य ने हाल ही में अपनी बाजू पर बने टैटू के बारे में खुलासा करते हुए अपने फैंस को इसे कॉपी करने से मना किया है। एक इंटरव्यू में नागा ने बताया कि इस टैटू में उनकी और सामंथा रुथ की वेडिंग डेट मोर्स कोड में लिखी हुई है। साथ ही एक्टर ने कहा कि अलग होने के बाद उन्होंने कभी इस टैटू को हटाने के बारे में नहीं सोचा है।

फैंस को किया टैटू कॉपी करने से मना

नागा ने कहा, मैं ऐसे कुछ फैंस से मिला, जिन्होंने मेरे नाम का टैटू बनवा रखा है। कुछ ऐसे भी फैंस जिन्होंने मेरे टैटू को कॉपी करके बनाया हुआ था। मैं आप सबको बता दूं कि यह कोई ऐसी चीज नहीं है, जिसे आपको कॉपी करना चाहिए। यह मेरी शादी की तारीख है। इसलिए, मैं नहीं चाहता कि फैंस ये टैटू बनवाएं। मुझे यह देखकर खराब लगता है, क्योंकि लाइफ में बहुत सारी चीजें बदल जाती हैं और मैं भी इस टैटू को बदल सकता हूं। नागा से सवाल किया गया कि क्या उन्होंने इस टैटू को हटवाने का नहीं सोचा? एक्टर ने कहा, नहीं मैंने इस बारे में

नहीं सोचा और यह ठीक है। साथ ही उनसे पूछा गया कि अगर कभी वो अपनी वाइफ से टकरा गए तो क्या करेंगे? उन्होंने कहा, मैं हैलो बोलूंगा और उसे हग करूंगा।

चैतन्य के टैटू में दो ऐरो भी बने हुए हैं, जो उन्होंने सामंथा के साथ बनवाया था। सामंथा ने इंस्टाग्राम पर मैचिंग टैटू का मतलब बताया था, मेरे टैटू का मीनिंग है कि अपनी रियलटी खुद क्रिएट करें। साथ ही सामंथा ने अपनी डेब्यू फिल्म 'ये माया चेसावे' के पहले के तीन शब्द लिखवा रखे हैं। इस फिल्म में सामंथा और नागा ने पहली बार साथ काम किया था।

सामंथा और नागा अक्टूबर 2022 में हुए थे अलग

सामंथा रुथ प्रभु और नागा चैतन्य ने जनवरी 2017 में हैदराबाद में सगाई की थी। दोनों उसी साल 6 अक्टूबर को गोवा में हिंदू और क्रिश्चियन रीति रिवाजों से शादी के बंधन में बंधे थे। शादी के 4 साल बाद 2 अक्टूबर 2022 को दोनों ने जॉइंट स्टेटमेंट के जरिए अलग होने की अनाउंसमेंट की थी।

नागा 'लाल सिंह चड्ढा' से कर रहे बॉलीवुड डेब्यू

नागा जल्द ही आमिर खान की फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' से बॉलीवुड डेब्यू करने जा रहे हैं। अद्वैत चंदन के निर्देशन में बनी फिल्म टॉम हैंक्स स्टारर फॉरेस्ट गंप का हिंदी रीमेक है। नागा और आमिर के अलावा फिल्म में करीना कपूर और मोना सिंह भी लीड रोल में हैं। यह फिल्म 11 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

भूमि पेडनेकर की इस बात के मुरीद हुए अक्षय कुमार, तस्वीर साझा कर लिखा खास मैसेज

अभिनेता अक्षय कुमार इन दिनों अपनी फिल्म 'रक्षा बंधन' को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म 11 अगस्त को रिलीज हो रही है। भाई-बहन की कहानी पर आधारित इस फिल्म में अक्षय कुमार के अपोजिट भूमि पेडनेकर नजर आएंगी। फिल्म की रिलीज से पहले अक्की ने भूमि पेडनेकर की तारीफों के पुल बांधे हैं। अक्षय कुमार ने एक नोट लिखकर भूमि के काम की तारीफ की है।

अक्षय कुमार ने बाकायदा एक तस्वीर साझा करके भूमि पेडनेकर की तारीफ की है। अक्षय ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से यह तस्वीर साझा की है। दरअसल, अक्षय कुमार भूमि की इस बात से बेहद खुश हैं कि भूमि इस फिल्म में काम करने को तुरंत राजी हो गईं, जबकि भाई-बहन की कहानी पर बनी इस फिल्म में कोई निश्चित फीमेल लीड रोल नहीं है। अक्षय का कहना है कि इस बात से उनके मन में भूमि के प्रति सम्मान और ज्यादा बढ़ गया है।

अक्षय कुमार ने अपनी और भूमि की एक तस्वीर साझा की है।

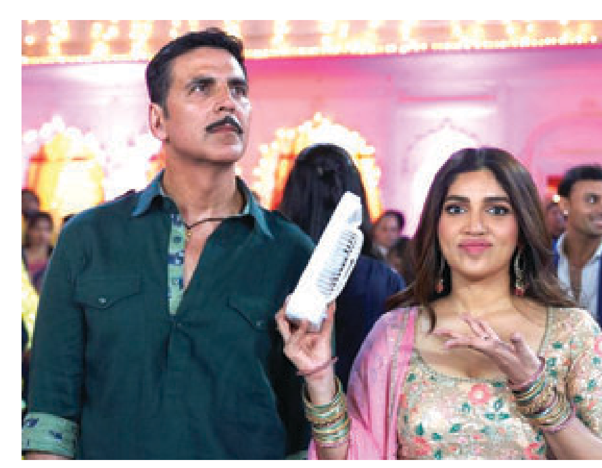

इसके साथ उन्होंने लिखा है, 'नखरे? यहां खुद ही फैन बनना पड़ता है। मजाक से अलग यह पोस्ट दोस्त और मेरी को-स्टार भूमि पेडनेकर की तारीफ में किया गया है। वह उस फिल्म में काम करने को राजी हो गईं, जिसका टाइटल 'रक्षा बंधन' है और इसमें चार बहनों की कहानी दिखाई गई है। यह बताता है कि एक कलाकार के रूप में वह कितनी सिक्योर हैं।' इसके साथ अक्षय कुमार ने फैंस से अपनी फिल्म देखने की गुजारिश की है। बता दें कि अक्षय कुमार की पोस्ट की तस्वीर भूमि ने भी अपनी इंस्टा स्टोरी पर पोस्ट की है। भूमि पेडनेकर की तारीफ में किए गए अक्षय के इस पोस्ट पर फैंस की दिलचस्प प्रतिक्रिया सामने आई है। फैंस उनकी तस्वीर पर प्यार लुटा रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'पर्दे पर आप दोनों की जोड़ी कमाल लगती है।' एक अन्य यूजर ने लिखा, 'आपकी यह फिल्म देखने के लिए हम बेसब्र हैं।

कुकिंग में भी एक्सपर्ट हैं ये सितारे, कोई बंगाली तो कोई मुगलई पकवान बनाने में है माहिर

बॉलीवुड के सितारों को वैसे तो एक्टिंग की दुनिया में महारथ हासिल होती है। ऐसे में आम आदमी भी उनके काम को लेकर सितारों को अपना आदर्श मानते हैं। वहीं कई बार ऐसा भी होता है कि लोग सितारों के शौक को भी अपना शौक मानने लगते हैं। इसीलिए एक्टर्स भी अपने फैंस को प्रेरित करने के लिए तमाम तरीके अपनाते रहते हैं। बॉलीवुड के कई सितारे ऐसे भी हैं जो कई तरीके की डिशेज पसंद करने के अलावा वह विभिन्न तरीके के पकवान बनाने में भी पारंगत हैं। तो चलिए आज हम आपको उन सितारों के बारे में बताते हैं, जो कुकिंग में एक्सपर्ट हैं।

ऐश्वर्या राय

मिस वर्ल्ड ऐश्वर्या राय खाना खाने के अलावा खाना पकाने का भी शौक रखती हैं। उनके पति अभिषेक बच्चन को अभिनेत्री के हाथ का बंगाली खाना बहुत पसंद है। इसके अलावा वह डेजर्ट भी बहुत स्वादिष्ट बना लेती हैं।

दीपिका पादुकोण

बॉलीवुड की डिंपल गर्ल दीपिका पादुकोण भी बेहतरीन कुक हैं। अभिनेत्री अपने किचन के सामान की शॉपिंग भी खुद ही करती हैं। इसके अलावा अभिनेत्री कई बार पास्ता से लेकर चिकन तक की रेसिपी भी सोशल मीडिया पर साझा कर चुकी हैं।

अक्षय कुमार

बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार एक अभिनेता के साथ-साथ स्वादिष्ट खाना भी बना लेते हैं। बॉलीवुड में आने से पहले वह बैंकॉक के एक रेस्टोरेंट में वेटर और शेफके रूप में काम करते थे। अक्षय कुमार थाई ग्रीन करी बहुत अच्छी बनाते हैं। जब भी उन्हें शूटिंग से मौका मिलता है तो वह परिवार के लिए रसोई में हाथ जरूर आजमाते हैं।

अजय देवगन

बॉलीवुड के सिंघम अजय देवगन को भी खाना पकाने में महारथ हासिल है। जब उनको समय मिलता है तो कुकिंग में हाथ आजमा लेते हैं। अजय देवगन को मुगलाई, चीनी, कॉन्टिनेंटल और मैक्सिकन फूड बनाना पसंद हैं।

कंगना रणौत

बॉलीवुड की 'क्वीन' कंगना रणौत कमाल की एक्ट्रेस तो हैं ही साथ ही साथ वह बेमिसाल कुक भी हैं। जब भी उन्हें एक्टिंग से मौका मिलता है तो वह किचन में अपनी कलाकारी दिखाती हैं। पेरिस में एक फिल्म की शूटिंग करते हुए कंगना ने अपने पूरे क्रू मेंबर के लिए भिन्डी मसाला और दाल तड़का बनाया था।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

SHRI SAI
COMMERCE COACHING
A Complete Commerce Solution
ONLINE CLASS
XIth XIIth B.COM
CA/CS/CMA
Registration Open
KHOOBI SIR- Director
Sirsa Road, Kohka, Bhilai, Mo.-98935-82241
www.shri.sai.commercecoaching.com

YOGESH COMPUTER
Sales & Service
All Computer Peripherals & Repairing
Hardware
CCTV Camera
Networking
Software
Yogesh Sirame
Mo-9893342971
7748064280
Azad Chowk, Muktidham Road
Ramnagar, Supela, Bhilai
Email : sirameyogesh@gmail.com

Paul Sir
BANK P.O.
&
CLERK,
MBA,
RLY.,
SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER,
Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

योग खिलाड़ियों का राष्ट्रीय योग प्रतियोगिता में हुआ चयन

राजनांदगांव। 22वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रिड़ा प्रतियोगिता, जगदलपुर-बस्तर में 04 से 08 अगस्त तक आयोजित किया गया। जिसमें राजनांदगांव के वि.ख. अम्बागढ़ चौकी शास. पूर्व माध्यमिक शाला एवं शास. उच्चतर माध्यमिक विद्यालय माहुद मचान्दुर से बालिका वर्ग में लीना बाम्बेसर, अपर्णा रामटेके, प्रेरणा निर्मल, चंचल रंगे, रोशनी निषाद बालक वर्ग में आदित्य बोरकर, रितिक रामटेके, केवल कुमार, वरूण कुमार निर्मल, डेविड बाम्बेसर ने भाग लिया। सभी खिलाड़ीयों ने अपने योग स्पर्धा का बेहतर प्रदर्शन किया हैं। जिसमें बालिका वर्ग में प्रेरणा निर्मल का चयन आगामी होने वाली शालेय राष्ट्रीय योग प्रतियोगिता में हुआ है, तथा अतिरिक्त खिलाड़ी के रूप में रोशनी निषाद, आदित्य बोरकर, वरूण कुमार निर्मल का चयन किया गया हैं। इसी प्रकार छत्तीसगढ़ प्रेम निरंजन योगासन खेल संघ द्वारा राज्य स्तरीय योगासन खेल प्रतियोगिता का आयोजन 30 एवं 31 जुलाई को सांई मंदिर सेक्टर 6 भिलाई में किया गया था। जिसमें शास. पूर्व माध्यमिक शाला माहुद मचान्दुर से लीना बाम्बेसर, अपर्णा रामटेके एवं आदित्य बोरकर, रितिक रामटेके तथा शास. उच्चतर माध्यमिक विद्यालय माहुद मचान्दुर से रोशनी निषाद, चंचल रंगे एवं आदर्श सहारे, वरूण कुमार निर्मल, डेविड बाम्बेसर ने भाग लिया।

भारी बारिश से जनजीवन अस्त व्यस्त

धमतरी। धमतरी एवं आस पास बीती रात से लगातार बारिश हो रही है जिसके कारण शहर सहित गाँव का जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है बारिश के वजह सेआस पास के नदी नाले उफान पर है कई नदिया खतरे के निशान के करीब पहुच चुकी है इसी बीच धमतरी के नगरी तहसील के गट्टासिल्ली इलाके में एक रपटे पर सोंदुर नदी का पानी तेज बहाव से बह रहा था जिसमे एक ट्रक बहते पानी में फंस गया और उससे निकलते समय पुल के पानी में बह गया पर ये गनीमत रही कि इस घटना में ड्राईवर और कंडक्टर कि जान बच गई। केरेगांव पुलिस एवं ग्रामीणों ने मिलकर दोनों को सुरक्षित निकाल लिया। इस बीच जब तक पुलिस और ग्रामिण सुरक्षा के उपाय करते ड्राईवर और कंडक्टर लगभग 2 घंटे तक पानी में फसे रहे। आपको बता दे कि यह ट्रक आंद्रप्रदेश से रायपुर की ओर जा रहा था।

आदिवासियों की हितों व अधिकार के लिए सरकार प्रतिबद्ध- मंत्री भगत

श्रीकंचनपथ न्यूज

अम्बिकापुर। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर सोमवार को पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मुख्य आतिथ्य में मुख्यमंत्री निवास कार्यालय रायपुर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी किया गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ शासन के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री अमरजीत भगत सहित अन्य अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

आदिवासी संस्कृति के प्रतीक आदिवासी पोशाक पहनाकर अतिथियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा 2470 हितग्राहियों को योजनाओं से लाभान्वित किया गया। इसके साथ ही विशेष पिछड़ी जनजाति के 39 युवाओं को तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के पदों पर नियुक्ति पत्र दिया गया। विशेष भर्ती अभियान के तहत प्रदेश में सबसे अधिक सरगुजा जिले में नियुक्ति पत्र प्रदान की गई है।

विश्व आदिवासी दिवस की बधाई देते हुए मंत्री श्री भगत ने कहा कि आज का दिन आदिवासियों के लिए बहुत बड़ा दिन है। विश्व आदिवासी दिवस अब पूरे विश्व मे त्यौहार के रूप में मनाया जाता है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में सरकार प्रदेश के आदिवासियों के हित व उनके अधिकार के लिए काम कर रही है।

स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, सड़क जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में लगातार काम किया जा रहा है। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन द्वारा वन अधिकार पट्टा सहित अन्य योजनाओं का लाभ हितग्रहियों को दिया गया। विशेष पिछड़ी जनजाति के युवाओं को भी नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया।

कलेक्टर कुंदन कुमार ने विश्व आदिवासी दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ शासन की नीतियों के कारण आदिवासियों की संस्कृति के संरक्षण के साथ ही आर्थिक, शैक्षणिक और स्वास्थ्य के क्षेत्र में तेजी से विकास हुआ है जिसके कारण आदिवासी समुदाय की खुशियां कई गुना बढ़ गई हैं। छत्तीसगढ़ शासन और जिला प्रशासन के समग्र प्रयास से आदिवासियों के जीवन स्तर और आय में बढ़ोत्तरी हो रही है। शासकीय नौकरी में उनकी सहभागिता बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि विशेष पिछड़ी जनजाति की सीधी भर्ती में सबसे अधिक लोगों को नियुक्ति प्रदान करने में सरगुजा सबसे आगे है। उन्होंने शिक्षा की महत्ता बताते हुए कहा कि शिक्षा हर जगह काम आती है। अपनी बुद्धि अपने ज्ञान की सहायता से मुश्किल से मुश्किल घड़ी से बाहर निकल सकते हैं। इसलिए शिक्षा प्राप्त करने में पीछे न रहें। कार्यक्रम में विशेष पिछड़ी जनजाति के शिक्षित 39 पहाड़ी कोरवा व पंडो युवाओं को तृतीय व चतुर्थ श्रेणी के पदों पर नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। आदिवासी विकास विभाग के द्वारा कुल 290 हितग्राहियों को वनाधिकार पत्र वितरित किया गया। व्यक्तिगत वन अधिकार पत्र 122, सामुदायिक वन संसाधन अधिकार पत्र 15 व सामुदायिक वनाधिकार पत्र 33, वनाधिकार पुस्तिका 120 लोगों को प्रदान किया गया। जनजाति वर्ग के 70 उत्कृष्ट विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। समाज कल्याण विभाग के द्वारा 41 हितग्राहियों को सहायक उपकरण वितरित किया गया। अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति द्वारा संचालित योजना के तहत 5 हितग्राहियों को ट्रैक्टर व अन्य सामग्री प्रदान किया गया। शिक्षा विभाग के द्वारा लगभग 5 लाख का छात्र दुर्घटना बीमा की राशि प्रदान की गई। स्वास्थ्य विभाग के द्वारा 31 हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड, चश्मा व वाकिंग स्टिक प्रदान किया गया।

आदिवासी समाज के उत्थान के लिए हमारी सरकार दृढ़ संकल्पितः मुख्यमंत्री बघेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर अखिल भारतीय गोंडवाना गोंड महासभा एवं आदिवासी समाज द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भूपेश बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में आदिवासियों के उत्थान की दिशा में काम किया जा रहा है। उनके मान-सम्मान को बढ़ाने के साथ गौरवशाली कला, संस्कृति को सहेजने और संरक्षित करने के लिए कदम उठाए गए हैं। यह समाज बहुत ही न्याय प्रिय और प्रकृति के बहुत समीप रहकर उन्मुक्त जीवन जीने वाला लोकतांत्रिक समाज है। जो किसी अन्य समाज में दिखाई नहीं देता।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार बनने के साथ ही लोहंडीगुड़ा में आदिवासियों की जमीन वापसी के साथ उन्हें उनके क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य की दिशा में काम किया गया। पेसा कानून लागू कर उनके हितों को संवर्धित किया जा रहा है। आदिवासियों को उनके अधिकार दिए जा रहे हैं। उन्होंने 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस और अगस्त क्रांति दिवस की सबको बधाई दी। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कार्यक्रम में आदिवासी समाज के सभी मांगों पर चर्चा करने की बात कहते हुए बिलासपुर में राजा चक्रधर सिंह पोर्ते की प्रतिमा स्थापित करने की घोषणा की। उन्होंने देश के पहले सर्जिकल स्ट्राइक में अपना अहम योगदान देने वाले आदिवासी समाज के कैप्टन श्री उदयभान सिंह सहित समाज के विभूतियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में विशेष पिछड़ी जनजाति समाज के युवाओं को नियुक्ति पत्र भी प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाली समितियों को स्वेच्छानुदान मद से 25-25 हजार की राशि देने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने बिलासपुर के साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित विश्व आदिवासी दिवस कार्यक्रम में आगे कहा कि देश की आजादी की लड़ाई में आदिवासी समाज की अहम भूमिका है। शहीद वीर नारायण सिंह, गुण्डाधुर, रानी दुर्गावती सहित समाज के अनेक महापुरूष है। जिन्होंने देश के लिए अपना बलिदान दिया है। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि हमारी कोशिश विश्वास के साथ विकास और सुरक्षा की है, इसलिए हमने नक्सल क्षेत्र में दहशत के माहौल को दूर करने तथा आदिवासी समाज को आगे बढ़ाते हुए उनके उत्थान के लिए कार्य किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की सरकार ने लाखों परिवारों को वन अधिकार पत्र, सामुदायिक वन अधिकार पत्र प्रदान किए। पेसा कानून लागू करने के लिए नोटिफिक्शन जारी कर दिया गया है। इसमें वनांचल में रहने वाले आदिवासियों को असीमित अधिकार दिए है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पेसा कानून के संबंध में जनजागरण चलाया जा रहा है ताकि आदिवासी समाज के सभी लोग जागरूक बनकर अधिकार का लाभ उठा सके। उन्होंने अपने संबोधन से बताया कि पेसा कानून के तहत कमेटी में सिर्फ आदिवासी समाज के सदसय अध्यक्ष बन पायेंगे।

इसमें महिला और पुरूष की समान भागीदारी होगी। एक बार पुरूष तो दूसरी बार महिला अध्यक्ष होगी। कार्यक्रम को गोंड महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व संसदीय सचिव विधायक शिशुपाल सिंह शोरी, संसदीय सचिव व विधायक श्रीमती रश्मि आशीष सिंह ठाकुर, प्रदेशाध्यक्ष नीलकंठ टेकाम आदि ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर विधायक शैलेष पाण्डेय, पर्यटन मण्डल के अध्यक्ष अटल श्रीवास्तव, महापौर रामशरण यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष अरूण सिंह चौहान, संभागायुक्त डॉ. संजय अलंग, आईजी रतनलाल डांगी, कलेक्टर सौरभ कुमार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्रीमती पारूल माथुर सहित देश के अलग-अलग राज्यों से आए आदिवासी समाज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

विश्व आदिवासी दिवस : जिले में स्वास्थ्य सुविधा का हुआ विस्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

मुंगेली। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आज जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार करते हुए कलेक्टर राहुल देव और जनप्रतिनिधियों ने जिला कलेक्टोरेट परिसर से चार नवीन एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। चार नवीन एम्बुलेंस में से दो एम्बुलेंस लोरमी विकासखंड के सुदूर वनांचल क्षेत्र लमनी और बिजराकछार को दिया गया है।

वहीं 01 एंबुलेंस मुंगेली विकासखंड के ग्राम सेतगंगा और 01 एंबुलेंस पथरिया को दिया गया है। इस अवसर पर कलेक्टर श्री राहुल देव ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के मशानुरूप जिले के नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज 04 और एम्बुलेंस प्रारंभ किया गया है। एंबुलेंस की सुविधा बढ़ने से अब आसपास के क्षेत्र में आपातकाल स्थिति में अथवा हादसा, दुर्घटना के शिकार लोगों को तुरंत चिकित्सीय सहायता मिल सकेगी। इस अवसर पर मुंगेली विधानसभा क्षेत्र के विधायक पुन्नू लाल मोहले, लोरमी विधानसभा क्षेत्र के विधायक धर्मजीत सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती लेखनी सोनू चंद्राकर, छत्तीसगढ़ राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष श्री थानेश्वर साहू, नगर पालिका परिषद मुंगेली के अध्यक्ष हेमेन्द्र गोस्वामी, प्रतिष्ठित नागरिक सागर सिंह बैस, संयुक्त कलेक्टर नवीन भगत, मुंगेली एसडीएम अमित कुमार, सहित जनप्रतिनिधि, विभिन्न मीडिया के प्रतिनिधिगण और विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

झमाझम बारिश से अण्डरब्रिजों में भरा पानी, सुपेला क्रासिंग पर बढ़ा ट्रेफिक का दबाव, बढ़ी वाहन चालकों की दिक्कत

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई । लगातार 33 घंटे तक होती रही अनवरत बारिश से शहर की दोनों प्रमुख रेलवे अण्डरब्रिज लबालब हो गई। सुबह 9 बजे बारिश थमने के बाद सुपेला रेलवे क्रासिंग पर ट्रेफिक का दबाव काफी ज्यादा बढ़ गया। क्रासिंग के दोनों ओर लंबा जाम लग जाने से वाहन चालकों को अनेक तरह की दिक्कतों के साथ घंटों इंतजार के बाद पटरी पार आने जाने में का मौका नसीब हो पाया।

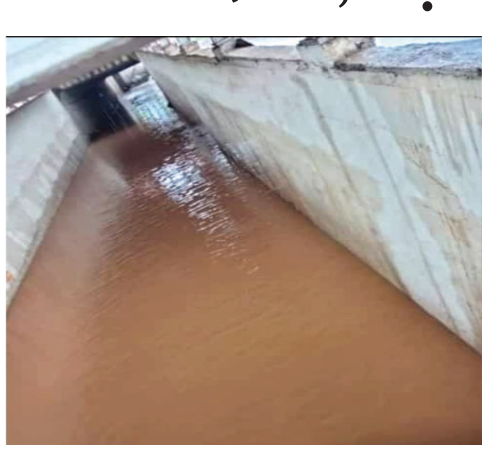

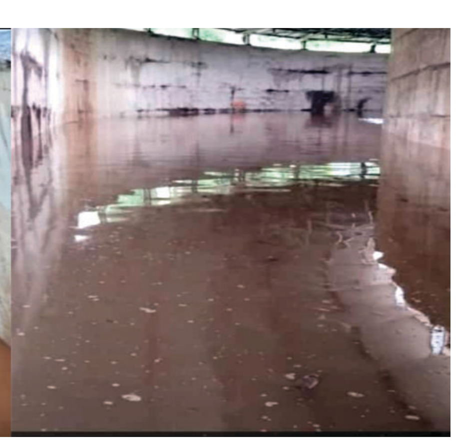

सावन माह की विदाई से दो दिन पहले हुई झमाझम बारिश ने जनजीवन को अस्त व्यस्त कर डाला है। शहर की निचली बस्तियों में जलभराव से लोगों को रतजगा करनी पड़ी। वहीं चन्द्रा मौर्या और प्रियदर्शिनी परिसर में पटरी पार आने जाने के लिए बने दोनों रेलवे अण्डरब्रिज में पानी भर जाने से लोगों को आवाजाही में दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। आज सुबह लगभग 9 बजे बारिश की बौछार पड़नी थमने के बाद लोग अपने घरों से निकलने लगे। दोनों प्रमुख अण्डरब्रिज में पानी भरे होने से सुपेला रेलवे क्रासिंग पर ट्रेफिक का दबाव काफी ज्यादा बढ़ गया। ट्रेन गुजरने पर क्रासिंग बंद होने से लोगों की आवाजाही रुकते ही लगातार जाम लगने लगा। इससे लोगों को पटरी पार कर गंतव्य तक पहुंचने में घंटो लग गए। रेलवे क्रासिंग के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग जाने से फोरलेन सड़क और टाउनशिप के गैरेज रोड़ की ट्रेफिक व्यवस्था भी प्रभावित होती रही।

भिलाई-3 की सिरसा अण्डरब्रिज भी बंद

बारिश की वजह से भिलाई-3 की सिरसा रेलवे अण्डरब्रिज भी बंद हो गया है। इस अण्डरब्रिज में पानी भर जाने के बाद ट्रेफिक पुलिस ने बेरिकेडिंग कर आवाजाही रोक दी है। इससे पाटन क्षेत्र के सौ से भी अधिक गांव के लोगों का शहर में आना जाना थम गया है। अनेक लोगों को चरोदा और बीएमवाय उरला के रास्ते से होकर आवाजाही करने मजबूर होना पड़ा।

रेलवे के पीपी यार्ड और एनएसपीसीएल पावर प्लांट के कर्मचारियों को भी अण्डरब्रिज बंद हो जाने से दूसरे रास्ते का विकल्प तलाशने के लिए इधर उधर भटकते देखा गया।

विश्व आदिवासी दिवस पर 107 हितग्राहियों को 329.86 लाख का ऋण एवं अनुदान वितरित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर प्रदेश के अनुसूचित जनजाति वर्ग के 107 हितग्राहियों को 329 लाख 86 हजार रूपए का ऋण और अनुदान वितरित किया गया। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने मुख्यमंत्री निवास में आयोजित कार्यक्रम में रायपुर जिले की तहसील आरंग के ग्राम सेमरिया निवासी श्री वसंत कुमार दीवान को ट्रेक्टर ट्रॉली की चाबी प्रदान की। प्रदेश में आयोजित कार्यक्रम के दौरान अनुसूचित जनजाति के 20 हितग्राहियों को ट्रेक्टर ट्रॉली, 05 हितग्राहियों को गुड्स कैरियर, 02 हितग्राहियों को पैसेंजर व्हीकल, 23 हितग्राहियों को स्माल बिजनेस लोन और 57 हितग्राहियों को आदिवासी स्वरोजगार योजना अंतर्गत ऋण वितरित किया गया।

विश्व आदिवासी दिवस का आयोजन पूरे प्रदेश में आज हर्षोल्लास से किया गया। इस दौरान सभी जिला मुख्यालयों में कार्यक्रम आयोजित किए गए।

इन कार्यक्रमों में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ऑनलाइन माध्यम से जुड़े। इस अवसर पर प्रदेश के अनुसूचित जनजाति वर्ग के अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को वित्तीय योजनाओं का लाभ पहुंचाने और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ राज्य के अंत्यावसायी सहकारी वित्त एवं विकास निगम द्वारा सभी जिला मुख्यालयों में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति एवं वित्त विकास निगम, नई दिल्ली की विभिन्न योजनाओं से हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया।

हितग्राहियों को ट्रेक्टर ट्रॉली, गुड्स कैरियर, पैसेंजर व्हीकल, स्माल बिजनेस एवं बैंक प्रवर्तित आदिवासी स्वरोजगार योजना में जनप्रतिनिधियों की उपस्थित में ऋण वितरित किया गया।

Y Fitness
• Gym Servicing
• Gym Equipment & Accessories Available
• Home Treadmill & Gym Service Available
start 17500/-
Bajaj Finance Available
Shop No. 10, 14, Block, Street No.-7 Dakshin gangotri, Supela, Bhilai Chhattisgarh
Facebook id - Protein Planet Bhilai
9098981555

SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

MISCHIEF Men's Store
UPTO 70% OFF
Complete Multibrand Store
Mo.-7999112303
mischieforignals
Shop NO. 7A/5, Ekta Tower Dakshin, Gangotri, Supela, Bhilai (C.G.)

राजहंस राजस्थानी थाली
पार्सल सुविधा
स्वाद घर का.....
राजस्थानी पारंपरिक व्यंजनों की स्वाद का आनंद लें
घड़ी चौक के सामने, गौरी लॉज के नीचे, सुपेला, भिलाई
संतोष शर्मा : 9649604367 देवीलाल शर्मा : 9783391314 प्रतीक दवे : 9752525050

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किड्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

कमर पर हाथ फेरकर कहता टीचर- ये तो गुरु दक्षिणा है: 8वीं की छात्रा को कॉल कर की गंदी बाते, आरोपी गिरफ्तार

बालोद (ए)। बालोद स्थित एक सरकारी स्कूल में मास्टर जी पढ़ाने आते तो लड़कियों से छेड़छाड़ करने लगते। उनसे अश्लील बातें करते। अकेले में कमर पर हाथ फेरता। छात्राएं विरोध करती तो कहता, ये तो गुरु दक्षिणा है। जब स्कूल की ही 8वीं क्लास की एक छात्रा को मोबाइल पर कॉल कर अश्लील बातें करने लगे तो मामला खुला। इसके बाद छात्रा अपनी मां को लेकर थाने पहुंच गई। खास बात यह है कि टीचर स्पोर्ट्स में स्कूल को कई गोल्ड भी दिला चुका है। फिलहाल आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

दरअसल, बालोद क्षेत्र के एक गांव में शासकीय माध्यमिक विद्यालय में मरार पारा निवासी 47 साल का दीपक सोनी स्पोर्ट्स टीचर है। वह मैथ्स भी पढ़ाता है। गुरुर नगर में खो-खो का खेल होने वाला है। इसके लिए 8वीं की एक छात्रा ने शुक्रवार को अपनी मां के मोबाइल से टीचर दीपक सोनी को कॉल किया। बात करने के दौरान छात्रा का चेहरा देख मां को शक हुआ तो उन्होंने मोबाइल का स्पीकर ऑन कर दिया। इसके बाद टीचर की बातें सुनते ही उनके होश उड़ गए। आरोप लगाया कि वह अश्लील बातें कर रहा था।

इस पर छात्रा की मां भड़क गई। उन्होंने अन्य छात्राओं से भी बात की, तो सारा मामला खुल गया। आरोप लगाया कि टीचर दीपक अकेले में कमरे में बुलाकर कमर पर हाथ फेरता था। विरोध करने पर उसे गुरु दक्षिणा का नाम देता। छात्राओं का आरोप है कि दीपक सोनी उन पर बुरी नजर रखता था। गलत ढंग से छूता है और छेड़छाड़ भी करता। इसके बाद मामले की जानकारी सोमवार को ग्रामीणों को हुई तो हंगामा भड़क गया। ग्रामीणों ने टीचर को गांव में बुला लिया और उसे फटकार लगाई।

इसके बाद सभी एकत्र होकर मंगलवार को थाने पहुंच गए। वहां पॉक्सो के तहत मामला दर्ज करा दिया। इसकी जानकारी शिक्षक के परिवार को लगी तो वह माफी मांगने लगे। हालांकि छात्रा अपनी बात पर अड़ी रही। उसका हौसला देखकर अन्य ग्रामीण व छात्राएं भी साथ आ गए। ग्रामीणों ने बताया की आरोपी टीचर स्कूल परिसर के पास खेल का प्रशिक्षण ना देकर बच्चों को किसी कोने सी जगह में ले जाता था। गांव वालों को काफी समय से इस बात को लेकर शक था। अब छात्राओं की बातों से उनका शक यकीन में बदल गया।

खास-खबर

लूटपाट में सफल नहीं हुए तो मकान पर फेंके पत्थर पिता व बेटे का फोड़ा सिर भूतपूर्व सैनिक को पीटा

बिलासपुर (ए)। बहतराई मेन रोड निवासी सुभाष सिंह स्व. शिवनारायण सिंह (50) की घर के पास ही उनका किराने की दुकान है। उनकी मां मां लालपति देवी (80) पास के ही एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती हैं। दुकानदार अपने भाई भूतपूर्व सैनिक जयनाथ प्रसाद के साथ उन्हें देखने रात को अस्पताल गए थे। यहां से दोनों घर लौट रहे थे। 10.30 बजे दोनों नाग नागिन तालाब के पास पहुंचे थे। यहां पर कुछ लोग अंधेरे में बैठे थे। इन्हीं में से एक ने आवाज दी। वह पास आया और फोन करने का बहाना कर मोबाइल मांगा। दुकानदार के मना करने पर पैसे की मांग करने लगा। पैसे देने से मना करने पर दो युवकों ने हाथापाई शुरू कर दी। इनमें से एक ने दुकानदार के सिर पर पत्थर से वार किया। इससे वे सिर फूट गया और वे गिरकर बेहोश हो गए। भूतपूर्व सैनिक से भी उन्होंने मारपीट की पर उन्होंने लुटेरों को पकड़ने की पकड़ने की कोशिश की। उन्होंने दौड़ाया तो सभी भाग निकले। इस बीच दुकानदार को होश आया तो अपने बेटे जतिन (21) को फोन किया। जतिन मौके पर गया। इस बीच युवकों ने अपने अन्य साथियों को भी फोन कर बुला लिया था। उन्होंने जतिन के साथ बेल्ट से मारपीट की और उसका भी सिर फोड़ दिया। भूतपूर्व सैनिक, दुकानदार व उनके बेटे वहां से भागकर घर भूकंप वेधशाला तक आए और घर आ गए। इस बीच 15 युवक उनके घर तक पहुंच गए।

घर पर होता रहा पथराव, आधे घंटे बाद पहुंची पुलिस

घटना के बाद दुकानदार के घर आधे घंटे तक आरोपियों ने पथराव किया। इस बीच घरवाले पुलिस को फोन करते रहे। 108 और 112 को भी कॉल किया पर कोई नहीं पहुंचा, जबकि घर से थाने की दूरी केवल एक किलोमीटर ही है। पुलिस को आने में आधा घंटा लग गया।

सिरपुर जा रहे बाइक सवार की हादसे में मौत, 1 घायल

महासमुंद (ए)। सिरपुर गंधेश्वर महादवे में जलाभिषेक के लिए जा रहे बाइक सवार को अज्ञात वाहन ने ठोकर मार दिया। इससे एक की मौत हो गई, वहीं पीछे सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। सिरपुर पुलिस ने मामले की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची। ग्राम खैरखुटा निवासी अर्जुन कोड़ाकू एवं गांव का दशरथ यादव सिरपुर स्थित गंधेश्वर महादेव में चल चढ़ाने सोमवार सुबह 8 बजे बाइक से गया था। सिरपुर बजरंग मंदिर के पास किसी अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक कि ठोकर मार दिया। इससे अर्जुन व दशरथ गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को उपचार के लिए सीएचसी तुमगांव लाए, जहां अर्जुन कोड़ाकू के सिर में गंभीर चोट आने के कारण उसकी मौत हो गई। वहीं दशरथ का इलाज चल रहा है।

तोरल में ट्रेलर के चालक से मारपीट व तोड़फोड़

महासमुंद (ए)। पटेवा थाना के ग्राम तोरल पड़ाव स्थित एक ढाबा में ट्रेलर चालक से मारपीट करने वाले पर पुलिस ने केस दर्ज किया है। ग्राम केलवाकला थाना करवड़ जिला जोधपुर (राजस्थान) निवासी श्रवणीदास 6 अगस्त सुबह 11 जांजपुर (ओडिशा) से ट्रेलर आरजे 19 जीएफ 8240 में जिंदल से लोहे का बंडल लेकर गुजरात बड़ौदा कड़ीकलोल के लिए निकला था। 7 अगस्त को ढाबा के गाड़ी को खड़ा किया। तोरला निवासी लोकनाथ सिन्हा गाड़ी हटाने की बात को लेकर गाली देते पिटाई की ओर गाड़ी का कांच तोड़ दिया।

ट्रेन से गिरकर युवती की मौत

संदिग्ध हालत में देर रात नीचे गिरी, भाई बोला मोबाइल पर बात करने के दौरान फिसला पैर

पलारी। बलौदाबाजार-भाटापारा में सोमवार देर रात एक युवती की संदिग्ध हालत में ट्रेन से गिरकर मौत हो गई। युवती बिलासपुर से अपने घर भिलाई लौट रही थी। इसी दौरान वह ट्रेन से नीचे ट्रैक पर गिर पड़ी और तभी दूसरी ओर से आ रही एक अन्य ट्रेन की चपेट में आ गई। हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस और आरपीएफ दोनों पहुंचे, लेकिन सीमा विवाद में उलझ गए। बाद में भाटापारा थाना पुलिस ने मामला दर्ज किया।

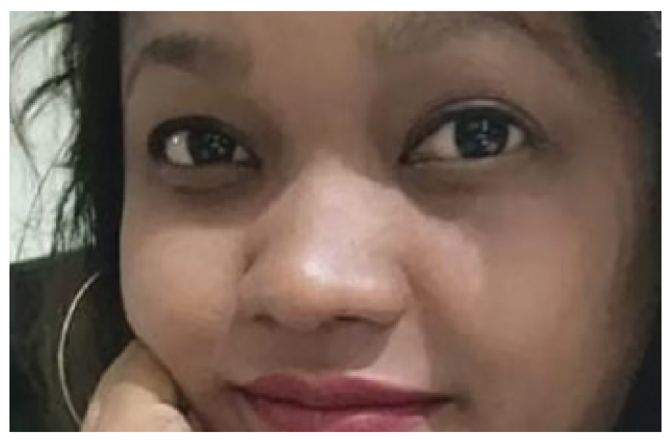

जानकारी के मुताबिक, भिलाई के सेक्टर-4 निवासी मोनिक कुजूर (31) इंटरव्यू देने के लिए सोमवार को बिलासपुर गई थी। वहां से शाम करीब 6 बजे वह ट्रेन से लौट रही थी। इसी बीच रात करीब 8 बजे निपनिया स्टेशन से पहले ददोरी-निपनिया के बीच वह ट्रेन से नीचे गिर गई। रेलवे ट्रैक पर शव पड़े होने की सूचना पर जीआरपी पहुंची और पुलिस को सूचना दी।

जीआरपी की सूचना पर पहुंची पुलिस

बताया जा रहा है कि भाटापारा पुलिस पहुंची, लेकिन जीआरपी के साथ मामला सीमा विवाद में उलझ गया। । इस दौरान करीब 2 घंटे तक शव ट्रैक पर ही पड़ा रहा। हालांकि पुलिस किसी भी विवाद से इनकार कर रही है। उसका कहना है कि जीआरपी से सूचना मिलने के बाद वह मौके पर पहुंच गए थे। इसके बाद भाटापारा पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में भिजवाया।

मोनिका के पास से मिले मोबाइल से उसकी मंगलवार तड़के करीब 3.30 बजे शिनाख्त हो सकी। इसके बाद पुलिस ने परिजनों को सूचना दी। उनके पहुंचने के बाद शव का पोस्टमार्टम कराकर उन्हें सौंप दिया गया। मोनिका के पिता की पहले ही मौत हो चुकी है। घर में उसका भाई और मां रहते हैं। मोनिका ने ग्रेजुएशन किया था। हादसे के बाद उसके परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

मोनिका के भाई मुकेश ने बताया कि उसकी बहन इंटरव्यू देकर लौट रही थी। इस दौरान आशंका है कि वह गेट के पास खड़ी होकर मोबाइल पर बात कर रही हो। बारिश के कारण उसका पैर फिसला और वह नीचे गिर गई। हालांकि पुलिस को अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि यह हादसा है या वारदात है। वहीं दूसरी ओर सेल्फी के कारण भी हादसे की बात सामने आ रही है।

12 लाख का अवैध कबाड़ ले जा रहा ट्रक चालक गिरफ्तार

महासमुंद (ए)। राष्ट्रीय राजमार्ग-53 ग्राम गनियारीपाली के पास ओडिशा की तरफ से आ रहे एक ट्रक को सिंघोड़ा पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान रोका। ट्रक में बाइक व पुरानी गाड़ियों के पार्ट्स भरे हुए थे। इसे लेकर ट्रक का चालक रायपुर जा रहा था। पुलिस ने ट्रक में भरे 25205 किलो कबाड़ कीमती 12 लाख व परिवहन में प्रयुक्त वाहन ट्रक कीमती 10 लाख रुपए को जब्त कर चालक को गिरफ्तार किया है।

थाना प्रभारी केशव कोसले ने बताया कि चोरी के कबाड़ का अवैध परिवहन के आरोप में ट्रक के चालक चालक ग्राम सुबधिया जिला मुजफ्फरपुर बिहार हाल पता कबीरनगर टाटीबंध रायपुर निवासी दिलीप पासवान पिता विलास पासवान (43) को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि 7 अगस्त को नेशनल हाईवे-53 रोड श्याम बाबा के सामने गनियारीपाली के पास ओडिशा की तरफ से आ रही वाहनों की चेकिंग हो रही थी। उसी समय ट्रक ओडी 05 टी 9417 वहां पहुंचा।

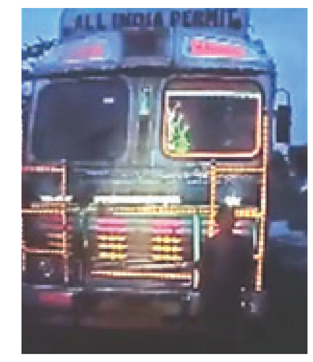

चालक से ट्रक में लोड सामान के संबंध में पूछताछ करने पर बाइक व अन्य वाहनों के पार्ट्स होना बताया। टीम को शक होने पर ट्रक की तलाशी ली। इसमें लोहे का स्क्रैप कबाड, मोटर साइकल एवं अन्य वाहनों के पुराने आटो पार्टस कबाड़ी सामान मिला। इसे रखने व परिवहन करने के संबंध में वैध कागजात मौके पर प्रस्तुत न करने पर चालक को चालक दिलीप पासवान को हिरासत में लिया गया। वहीं ट्रक का वजन करने पर 25205 किलोग्राम चोरी के लोहे का स्क्रैप कवाड, मोटर साइकिल व अन्य वाहनों के पुराने ऑटो पार्टस कबाड़ी सामान निकला।

टोल टैक्स बचाने बोड़ला-कोडार मार्ग से निकाला ट्रक, ट्रेलर से जा टकराया

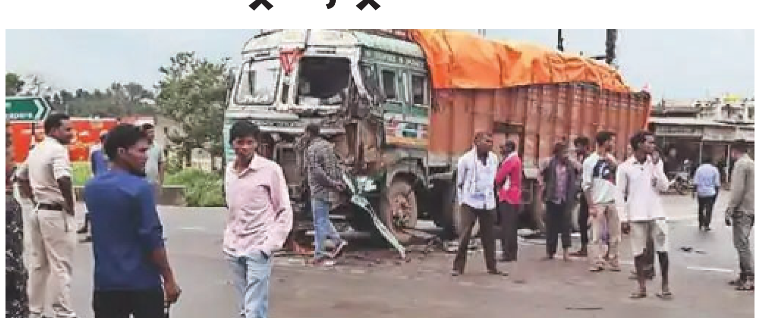

बोड़ला (ए)। कवर्धा से बैजलपुर सोसाइटी यूरिया भरकर जा रहा ट्रक मंगलवार को नेशनल हाईवे- 30 पर बोड़ला- भोरमदेव क्रॉसिंग में अज्ञात ट्रेलर ने टकरा गया। इस हादसे में ट्रक चालक बाल-बाल बच गया। घटना के संबंध में चालक राजेश वर्मा ने बताया वह ट्रक क्रमांक-सीजी 09 जेई 7137 पर कवर्धा से बैजलपुर सोसाइटी से यूरिया खाद लेकर जा रहा था।

शाम साढ़े 4 बजे हाईवे पर बोड़ला-भोरमदेव क्रॉसिंग से निकलते समय रायपुर की ओर आ रहे ट्रेलर ने पीछे से ठोकर मार दी। इससे ट्रक के सामने का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया है। प्रधानमंत्री सड़क पर भारी मालवाहकों को चलने की परमिट नहीं है। इस पर चालक ने बताया कि लोकल की ट्रक है। बोड़ला में कुछ नाश्ता कर लूंगा और टोल टैक्स बच जाएगा, इसलिए बोड़ला-कोडार मार्ग से आया था।

नगर में चार ब्लैक स्पॉट हैं, सुरक्षा के उपाय नहीं किए

गौरतलब है कि बोड़ला नगर में 4 ब्लैक स्पॉट हैं, जिनमें एक बड़ा डेंजर जोन यही क्रासिंग है। यहां आए दिन सड़क हादसे होते हैं। अब तक यहां कई लोगों की जाने जा चुकी है। बावजूद इसके नेशनल हाईवे अथॉरिटी सड़क दुर्घटना रोकने अब तक कोई कारगर पहल नहीं की है।

इसी साल 14 जुलाई से बोड़ला से 2 किलोमीटर दूर मुड़ियापारा के पास टोल प्लाजा शुरू हुआ। टोल शुरू होने के बाद से ज्यादातर छोटी-बड़ी व भारी वाहनों को भी बोड़ला-मोहगांव मार्ग और बोड़ला-कोडार मार्ग से निकालते देखा जा रहा है। इससे अब ग्रामीणों में भी आक्रोश बढ़ रहा है।

तेज रफ्तार कंटेनर व ट्रक की भिड़ंत, चालक घायल

रायपुर-जबलपुर नेशनल हाईवे-30 पर चिल्फी से करीब 5 किमी दूर पा गवाही मोड़ पर ट्रक और कंटेनर के बीच भिड़ंत हो गई। टक्कर के बाद दोनों वाहन रोड किनारे कीचड़ में फंस गए। हादसे में कंटेनर चालक घायल हुआ है। घटना मंगलवार दोपहर 3 बजे की है। सूचना पर डायल 112 की पुलिस मौके पर पहुंचे। घायल ड्राइवर को इलाज के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। मामूली चोट होने के चलते इलाज के बाद उसे छुट्टी दे दी गई है। दोनों वाहन तेज रफ्तार में थे और मोड़ पर आमने-सामने टक्कर हो गई। इस दौरान बचने के लिए दोनों चालक ने कोशिश जरूर की, फिर भी हादसा हो गया।

बस और स्कॉर्पियो में टक्कर, 5 लोग घायल, तेज बारिश की के चलते हुआ हादसा

कोंडागांव (ए)। छत्तीसगढ़ में रायपुर-जगदलपुर नेशनल हाईवे 30 पर बस और स्कॉर्पियो की आमने-सामने से टक्कर हुई है। हादसा इतना जबरदस्त था कि स्कॉर्पियो के परखच्चे उड़ गए हैं। हादसे में 2 महिलाओं समेत कुल 5 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। जिन्हें फरसगांव के अस्पताल लाया गया है। बताया जा रहा है कि, तेज बारिश और धुंध की वजह से स्कॉर्पियो चालक को सामने से आ रही बस नजर नहीं आई। जिससे हादसा हो गया। मामला जिले के फरसगांव थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, कोंडागांव जिले में लगातार बारिश हो रही है। दोपहर में स्कॉर्पियो वाहन जगदलपुर से रायपुर की तरफ जा रही थी,उधर विपरीत दिशा से बस रायपुर से जगदलपुर की तरफ आ रही थी। इसी बीच बारिश की वजह से चिचाड़ी पुल के पास स्कॉर्पियो वाहन चालक को बस

नजर नहीं आई। जिससे आमने-सामने से दोनों वाहनों में टक्कर हो गई। इस हादसे में स्कॉर्पियो में सवार 3 और बस में सवार 2 यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए।

बस में बैठे अन्य यात्रियों ने इस हादसे की जानकारी फरसगांव थाना के जवानों को दी। मौके पर पहुंचे जवानों ने सभी घायलों को फरसगांव अस्पताल में भर्ती कराया है। जहां सभी का उपचार जारी है। डॉक्टरों की माने तो घायलों को सिर, हाथ समेत शरीर के विभिन्न अंगों में गंभीर चोटें आई हैं। फिलहाल खबर लिखे जाने तक घायलों के नामों की जानकारी नहीं मिल पाई थी।

चोर समझ ग्रामीणों ने की विक्षिप्त की पिटाई इलाज कराने के बाद पिता ने दर्ज कराया केस

महासमुंद (ए)। मानसिक रूप से विक्षित युवक को चोर समझ के ग्रामीणों ने लाठी डंडे से पिटाई कर दी। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। मामला कोमाखान थाना क्षेत्र का है। कोमाखान पुलिस के अनुसार ग्राम खलियापानी निवासी मिथलेश साहू (30) की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है, जिसका इलाज मनोरोग विशेषज्ञ के पास परिजनों ने कराया, लेकिन ठीक नहीं हुआ है। मानसिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण वह गांव व आसपास के गांव में घूमता रहता है।

4 अगस्त को वह घूमते हुए हुए बोइरगांव चला गया। इसकी जानकारी गांव के नेतराम साहू ने मिथलेश के परिजनों को दी और बताया कि बोईरगांव के लोग चोर समझ कर उसे डंडे से पीटे हैं। सूचना पाकर मिथलेश के पिता तिलक साहू ग्राम बोईरगांव पहुंचे, जहां देखा कि मिथलेश रंगमंच पर पड़ा हुआ है। डायल 112 को जानकारी दी। पुलिस घायल को सरकारी अस्पताल बागबाहरा इलाज के लिए लेकर गई।

इलाज के बाद मिथलेश के पिता तिलक ने बताया कि बोईरगांव में यशवंत यादव, मिन्ताराम साहू, रेवा राम साहू व गांव के अन्य लोगों ने गाली देते उनके बेटे से मारपीट की। पुलिस का कहना है कि घायल के पिता के अनुसार घटना को खलियापानी गांव के रामबाई ठाकुर, हरकराम ठाकुर व बोईरगांव के कई लोगों ने देखा है।

summer offer
on gogles flat 20% off
फ्री होम डिलेवरी
(निःशुल्क कम्प्यूटराईज नेत्र जांच)
BROTERS OPTICALS
You see We care
Pratap Singh, Mo. - 9589876064, 9589666143
Infront of Shubham Medical, Krishna Talkies Road, Risali, Bhilai, Email : brothersopticals1@gmail.com

Authorised For : SOMANY Wall & Floor Tiles
JOHNSON Not just tiles, Lifestyles.
orientbell tiles
All Size of Tiles, Granite and Sanitaries
SHRI BALAJI TILES
Krishna Talkies Road, SBI Building, Opp. Church, Risali, Bhilai-490006 Distt.-Durg (C.G.), Mo.-9518326808
E-mail:- balajitilescg@gmail.com

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

खास - खबर

कामनवेल्थ गेम्स में सिल्वर मेडल जीतने वाली आकर्षि कश्यप का दुर्ग में होगा भव्य स्वागत

दुर्ग। दुर्ग की कसारीडीह निवासी 21 वर्षीय अंतर्राष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी आकर्षि कश्यप ने इंग्लैंड के बर्मिंघम कामनवेल्थ गेम्स-2022 में भारतीय मिश्रित बैडमिंटन टीम में शामिल होकर टीम के लिए सिल्वर मेडल जीता है। देश के लिए यह बड़ी जीत हासिल कर आज 10 अगस्त,बुधवार को दोपहर 12 बजे आकर्षि कश्यप का प्रथम दुर्ग नगर आगमन हो रहा है। इस ऐतिहासिक अवसर को यादगार बनाने विभिन्न खेल संगठनों के अलावा धार्मिक व सामाजिक संगठनों द्वारा सिल्वर मेडल विजेता आकर्षि कश्यप के भव्य स्वागत और बाईक रैली की तैयारी की गई है। उनकी यह स्वागत बाईक रैली दोपहर 12 बजे ग्रीन चौक दुर्ग से प्रारंभ होगी। जो गुरुद्वारा स्टेशन रोड,सिंधी धर्मशाला,सीए बिल्डिंग,शीतला सतरुपा मंदिर,एलआईसी बिल्डिंग पद्मनाभपुर,मिनी स्टेडियम पद्मनाभपुर,पंचशील स्कूल चौक,कन्हैयापुरी चौक,आजाद चौक होते हुए आकर्षि कश्यप के निवास स्थान कसारीडीह पहुंचकर समाप्त होगी। विभिन्न खेल संगठनों के अलावा सामाजिक व धार्मिक संगठनों द्वारा विजयी रैली में शहर के खेल प्रेमियों और आम जनता से शामिल होकर शहर की गौरव आकर्षि कश्यप का हौसला बढ़ाने की अपील की है।

झमाझम बारिश से शहर हुआ तरबतर, लोग रहे परेशान

दुर्ग। झमाझम हुई बारिश से पुरा शहर तरबतर हो गया। यह पानी जहां निचली बस्तियों के लोगों के लिए मुसीबत का सबब बना रहा,वहीं सैर सपाटा करने वाले लोगों के लिए माहौल को और खुशनुमा बना दिया। शहर में मंगलवार को पानी निकासी की अव्यवस्था फिर संकट बनी। निचली बस्तियों के घरों में पानी घुसने की शिकायतें सामने आई है। सड़कों में भी जगह-जगह पानी जाम होने की समस्या आम रही। बरसात का पानी शासकीय आदर्श कन्या स्कूल उतई रोड के सामने स्थित चिकित्सा कर्मियों के लिए परेशानी का कारण बना रहा। उतई रोड (गौरव पथ) के सौंदर्यीकरण व चौड़ीकरण के लिए नाली का निर्माण किया जा रहा है। जिसके चलते कर्मचारी क्वार्टर के सामने ठेकेदार द्वारा गड्ढा खोदे गए है। बरसात का यह पानी निकासी के अभाव में गड्ढों से होकर कर्मचारी क्वार्टर तक पहुंच गया। जिससे कर्मचारी क्वार्टर परिसर पानी से लबालब भरा रहा।

बरसते बारिश में बूढ़ादेव की भक्ति में जमकर झूमें विधायक देवेंद्र यादव

आदिवासी दिवस पर सर्व आदिवासी समाज ने निकाली भव्य रैली

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आज आदिवासी समाज ने भव्य रैली का आयोजन किया। रैली में हजारों की संख्या में शहरवासी शामिल हुए। छत्तीसगढ़ी संस्कृति परंपरा और आदिवासी संस्कृति, सभ्यता, परंपरा की मनमोहक झलक इस रैली में देखने को मिली।

बरसते बारिश में आदिवासी समाज के सैकड़ों लोगों ने रैली निकाली। सेक्टर 5 में विधायक देवेंद्र यादव ने रैली का फूल मालाओं से स्वागत किया। यहां पर विधायक देवेंद्र यादव सहित महापौर नीजर पाल, एमआईसी सदस्य साकेत चंद्राकर, मालती ठाकुर,पार्षद सेवन ठाकुर आदि ने भव्य स्वागत किया। साथ ही भगवान बूढ़ा देव की विधि विधान के साथ के साथ पूजा अर्चना की और विधायक देवेंद्र यादव ने भगवान बूढ़ा देव से आदिवासी समाज के हित और विकास केसाथ ही सभी के जीवन में खुशहाली की प्रार्थना की। पूजा अर्चना के बाद विधायक देवेंद्र यादव समाज के युवक-युवतियों के साथ आदिवासी लोकगीत में जम कर झूमें। डीजे की धून में मांदर की ताल और आदिवास गीत जब बजी तो विधायक देवेंद्र यादव भी खुद को रोक नहीं पाए और समाज के युवक-युवतियों केसाथ उन्होंने ने जमकर आदिवासी नृत्य किया।

समाज के जितेंद्र ठाकुर ने बताया कि 9 अगस्त विश्व आदिवासी दिवस पूरे विश्व में धूमधाम से मनाया जाता है। इसी कड़ी में हर साल भिलाई में भी आदिवासी दिवस पर पूरा समाज एक होकर सर्व आदिवासी समाज के बैनर तले आयोजन किया जाता है।

रैली की शुरूआत सेक्टर 1 मुर्गाचौक से की गई। रैली आदिवासी संगीत नृत्य के साथ सेक्टर 5 पहुंची जहां पर विधायक देवेंद्र यादव द्वारा भव्य स्वागत किया गया। इसी प्रकार अन्य चौक चौराहों पर समाज के लोगों ने स्वागत किया। सेक्टर 8 से रैली सुपेला समाजिक भवन पहुंची जहां पर अन्य आयोजन किए गए है। इस अवसर पर सैकड़ों की संख्या में महिला-पुरूष शामिल हुए। अपने समाज के हित और विकास के लिए कई नारे लगा रहे थे, वही छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार आदिवासी दिवस के शुभ अवसर पर प्रदेश में सरकारी छुट्टी दी है। इससे भी समाज के लोगों में काफी उत्साह और उमंग का माहौल है।

सीएम का आभार व्यक्त किए

भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने आज विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का पूरे आदिवासी समाज की ओर से दिल से आभार जताया। विधायक देवेंद्र यादव ने कहा कि आदिवासियों के हित और विकास के लिए उनके समग्र विकास के लिए प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने जो प्रयास किया है वह बेहद सराहनीय और ऐतिहासिक है। आदिवासी दिवस पर पूरे प्रदेश में सरकारी अवकाश घोषित करने के लिए आदिवासी समाज की ओर से विधायक देवेंद्र यादव ने सीएम का आभार जताया।

भिलाई निगम क्षेत्र में टीकाकरण महाअभियान के लिए शेड्यूल जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। कोविड 19 से बचाव के लिए भिलाई निगम एरिया में टीकाकरण महाअभियान दिनांक 10 अगस्त को होगा। महापौर नीरज पाल व आयुक्त लोकेश चंद्राकर के निर्देश पर भिलाई निगम टीकाकरण महाभियान की तैयारी कर रही है।

टीकाकरण महाभियान के लिए चेता मैदान वार्ड क्रमांक 28, प्रेम नगर, एस एस के भवन वृंदानगर वार्ड क्रमांक 29, एडब्लूसी भवन अटल आवास राम नगर वार्ड क्रमांक 26, आंध्र स्कूल वृंदा नगर वार्ड क्रमांक 29, राम जानकी मंदिर राम नगर वार्ड क्रमांक 19, एस एस के भवन अंबेडकर नगर वार्ड क्रमांक 15, नेहरू चौक प्रगति नगर वार्ड क्रमांक 30, शिव मंदिर आदर्श नगर वार्ड क्रमांक 32, सतनाम भवन शर्मा कॉलोनी वार्ड क्रमांक 33, एस एस के भवन बिहारी मोहल्ला वार्ड क्रमांक 34, शिव मंदिर आंगनबाड़ी वार्ड क्रमांक 35, मंगल बाजार छावनी आंगनबाड़ी वार्ड क्रमांक 40, ए बी सी डी ब्लॉक आंगनवाड़ी वार्ड क्रमांक 23, श्याम नगर आंगनवाड़ी वार्ड क्रमांक 36, रविदास भवन दुर्गा मंदिर के पास वार्ड क्रमांक 37, एस एस के भवन घासीदास नगर वार्ड क्रमांक 23, सियान सदन नेहरू नगर वार्ड क्रमांक 4, आरोग्य निकेतन स्मृति नगर वार्ड क्रमांक 2, संस्कृतिक भवन कृष्णा नगर वार्ड क्रमांक 8, गणेश चौक दुर्गा मंदिर वार्ड क्रमांक 7, भीम नगर देवांगन पारा वार्ड क्रमांक 10, सांस्कृतिक मंच लक्ष्मी नगर वार्ड क्रमांक 10, शंकर पारा आंगनबाड़ी वार्ड क्रमांक 16, शकुंतला सिंह के घर के समीप चिंगरी पारा वार्ड क्रमांक 17, शिव चौक आंगनबाड़ी फरीदनगर वार्ड 9, मिनीमाता भवन पुरानी बस्ती वार्ड क्रमांक 13, उड़िया पारा आंगनबाड़ी वार्ड क्रमांक 18, दुर्गा मंदिर के पास वार्ड क्रमांक 46, हनुमान मंदिर शहीद वीर नारायण नगर वार्ड क्रमांक 51,यूपीएचसी छावनी वार्ड क्रमांक 40, यूपीएचसी कोसा नगर वार्ड क्रमांक 5, यूपीएचसी खुर्सीपार वार्ड नंबर 47, पीएचसी कोहका वार्ड क्रमांक 13 पुरानी बस्ती कोहका, पीएचसी जुनवानी वार्ड क्रमांक 1 आदि है।

आजादी के 75 साल पूरे होने पर बरसते पानी में तिरंगा लहराते कांग्रेसियों ने निकाली गौरवयात्रा

गूंजते रहे देशभक्ति के गीत, देते रहे भारत जोड़ो का संदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग । जिस जोश और जुनून से आजादी के दीवानों ने 75 साल पहले देश को आजाद कराया था, आज आजादी के हीरक महोत्सव के अवसर को यादगार बनाने के लिए कांग्रेस की गौरव यात्रा भी उसी जोशीले अंदाज में निकली। जोश का जज्बा इस कदर रहा कि तेज बारिश में तीन घंटे से ज्यादा समय तक तिरंगा लहराते कांग्रेस नेता भीगते रहे ... जोश से नारे लगाते हुए पदयात्रा जारी रखी ... देशभक्ति भरे गीतों के साथ अमर सेनानियों का स्मरण करते रहे देशभक्ति के संदेश देने वाले नारे लगातार गूंजते रहे। पश्चिम ब्लाक कांग्रेस कमेटी की अगुवाई में आज आज सुबह 9 बजे चंडी मंदिर में पूजा अर्चना के बाद कांग्रेस की गौरव यात्रा प्रारंभ हुई। स्टेट वेयर हाऊसिंग कार्पोरेशन के चेयरमेन व विधायक अरुण वोरा, महापौर धीरज बाकलीवाल, शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष गया पटेल, निगम सभापति राजेश यादव, अलताफ अहमद, राजेंद्र साहू, आरएन वर्मा, अजय मिश्रा सहित अन्य कांग्रेस नेता गौरवयात्रा में शामिल हुए।

पदयात्रा के दौरान सभी धार्मिक स्थलों पर पूजा अर्चना की गई। देश को आजाद कराने में कांग्रेस के योगदान को याद दिलाने वाले पांपलेट, पोस्टर का वितरण भी किया गया। इस दौरान विधायक अरुण वोरा ने कहा कि कई दशकों तक कड़े संघर्षों और अनगिनत बलिदानों के बाद देश की आजादी मिली है। आज देश को तोड़ने का काम किया जा रहा है। कांग्रेस ने देश को आजाद कराने के बाद लोगों को जोड़ने का काम किया है। पूरे देश को जोड़ने की विशाल मुहिम के तहत कांग्रेस ने भारत जोड़ो पदयात्रा शुरू की है।

आज दुर्ग में इसी गौरवशाली पदयात्रा की शुरुआत हुई है। चंडी मंदिर से निकली कांग्रेस की गौरव यात्रा बजरंग नगर चौक, केजू मिल, राजीव नगर, गया नगर, शीतला नगर, गोड पारा, बैगा पारा, शीतला मंदिर, शिक्षक नगर से मान चौक होते हुए तकियापारा में पदयात्रा समाप्त हुई। पदयात्रा के दौरान कांग्रेसी जोशीले अंदाज में देश के स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करते रहे। बारिश से सराबोर होने के बावजूद कांग्रेसियों के जोश में कमी नहीं आई।

निगम आयुक्त पहुँचे फिल्टर प्लांट निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को दिए निर्देश

सड़कों पर मलबा डालने वाले, सड़क पर अवैध कबाड़ गाड़ियों एवं अवैध होडिंग के खिलाफ जुर्माना की कार्यवाही करें : आयुक्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग । नगर पालिक निगम प्रकाश सर्वे लगातार निगम क्षेत्र के किसी भी वार्ड का निरीक्षण औचक रूप से कर रहे हैं।निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे ने अलसुबह निगम अमृत मिशन के तहत चले रहे कार्यो के साथ साथ 24 एमएलडी और 42 एमएलडी फील्डर प्लान्ट पहुँचे उन्होंने फिल्टर प्लांट में स्काडा सिस्टम और वाटर सप्लाई के संबंध में मौजूद अधिकारी व कर्मचारी से ली।टंकियों की साफ सफाई समय सीमा के अंदर करवाने के लिए निर्देशित किया। उसके बाद आयुक्त प्रकाश सर्वे ने वार्ड 43 महाराजा चौक क्षेत्र एवं वार्ड 53 क्षेत्र का निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान महाराजा चौक में अवैध रूप से लगे होडिंग को निकलवाने व जुर्माना करने को कहा। उन्होंने कुछ स्थानों पर सड़कों पर निर्माण एवं विध्वंस से संबंधित सामग्री बेतरतीब तरीके से पड़ी हुई देखी 7 उन्होंने कहा कि सड़को पर सी एन्ड डी मलबा डालने वालो के खिलाफ जुर्माना की कार्यवाही करने के लिए कहा।

उल्लेखनीय है कि सड़कों पर मलबा पड़े होने के कारण नागरिको को आवगमन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है, दुर्घटना की संभावनाएं भी बढ़ जाती है तथा आने जाने वाले वाहनों का निकलना मुश्किल होता है।लोगों के द्वारा इस प्रकार के भवन सामग्री को सड़क पर काफी दिनों तक रखा दिया जाता है वही क्षतिग्रस्त एवं पुराने घरों को तोड़ने के बाद भी मलबों को ऐसे ही सड़क पर फेक दिया जाता है।आयुक्त प्रकाश सर्वे ने लोगो से अपील करते हुए कहा कि इस तरफकी लापरवाही न करें सड़क किनारे या सड़क पर भवन मटेरियल को न डाले ये बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकता है। आने जाने वालों को परेशानियां का सामना पड़ता है, मलबा की वजह से नाली भी जाम हो जाती है और सफाई में परेशानी होती है।

आयुक्त ने मलबे को हटाने एवं जुर्माना के साथ जब्त की कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। आज निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली,सफाई दरोगा सुरेश भारती, सफाई दरोगा मनोहर शिंदे,राजू सिंह के अलावा स्वास्थ्य विभाग अमला मौजूद रहें।

अगस्त क्रांति स्मृति दिवस पर रूआबांधा में हुआ वैचारिक आयोजन

देश की आजादी के लिए प्राण न्योछावर करने वाले अमर स्वतंत्रता सेनानियों को किया याद

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भारत रत्न लोकनायक जयप्रकाश नारायण स्मारक प्रतिष्ठान, आचार्य नरेंद्र देव स्मृति जन अधिकार अभियान समिति एवं चंद्रशेखर फाउंडेशन भिलाई के संयुक्त तत्वावधान में एचएससीएल कालोनी रूआबांधा में मंगलवार की सुबह ऐतिहासिक अगस्त क्रांति की स्मृति में आयोजन किया गया। प्रारंभ में देश की आजादी के लिए बलिवेदी पर प्राण न्योछावर करने वाले अमर स्वतंत्रता सेनानियों को याद किया गया। वहीं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व संपूर्ण क्रांति के प्रणेता भारत रत्न लोकनायक जयप्रकाश नारायण के छायाचित्र पर उपस्थित लोगों ने पुष्पांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए संस्था के प्रमुख आरपी शर्मा ने 9 अगस्त क्रांति दिवस को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि 8 अगस्त 1942 को भारत छोड़ो आंदोलन चलाने का फैसला किया गया था और जमीनी स्तर पर इसकी शुरुआत इसके अगले दिन 9 अगस्त को हुई थी। जिसे अगस्त क्रांति के रूप में मनाया जाता है।

इस आंदोलन में जवाहरलाल नेहरू, आचार्य नरेंद्र देव, जयप्रकाश नारायण और डॉ. राम मनोहर लोहिया की भूमिका पर उन्होने विस्तार से चर्चा की। शर्मा ने कहा कि यह कड़वी सच्चाई है कि आज अपने आप को देशभक्त बताने वाले लोग 1942 के इस आंदोलन का बहिष्कार कर रहे थे। शर्मा ने कहा कि आजादी की 75 वीं वर्षगांठ होने से आज का दिन विशेष महत्व रखता है उन्होंने महान समाजवादी नेता राममनोहर लोहिया को रेखांकित करते हुए बताया कि लोहिया ने कहा था कि 9 अगस्त का दिन भारत वासियों के लिए महान घटना है और इसका इसकी प्रासंगिकता हमेशा बनी रहेगी। लोहिया ने कहा था कि यह जनता की इच्छा की अभिव्यक्ति थी जिसमें उसने ठान लिया था कि हमें आजादी चाहिए और हम लेकर रहेंगे। शर्मा ने कहा कि महात्मा गांधी के नेतृत्व में चलाया गया यह आंदोलन आज भी प्रासंगिक है। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता त्रिलोक मिश्रा ने कहा कि आज के दिन महात्मा गांधी ने 'करो या मरो' का नारा दिया था। भारत छोड़ो आंदोलन के लिए यह एक ऐतिहासिक नारा था। जिस आंदोलन ने अंग्रेजों को भारत छोड़ने पर मजबूर किया। इस अवसर पर नंदकिशोर, प्रमोद शर्मा, अक्षय कुमार, अरविंद यादव और कपिल देव सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950